RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-11 | अंक-15 | जयपुर, बुधवार, 15 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रुपये

हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

श्रीनगर। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। हद्ध ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईबिक्स चेयरमैन विकास गर्ग गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धनशोधन मामले में ईबिक्स के अध्यक्ष विकास गर्ग को गिरफ्तार किया है। ईडी ने उन्हें उनके आवास से यहां हिरासत में लिया और ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने के बाद रायपुर ले जाया जा रहा है। उन्हें बुधवार को रायपुर की पीएमएलए अदालत में पेश किया जाएगा। जांच एजेंसी के अनुसार, हाल ही में विकास गर्ग, उनके परिवार के सदस्यों तथा उनके स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनियों की 940.77 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां कुर्क की गई थीं।

कांकाणी हिरण शिकार मामले में अधिवक्ताओं ने मांगा समय

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय में बहुचर्चित कांकाणी हिरण शिकार के मामले में राज्य सरकार की लीव टू अपील एवं सलमान खान की ओर से दायर अपील पर सुनवाई हुई। इस दौरान जस्टिस कुलदीप माथुर की बेंच के समक्ष सैफ अली खान के अधिवक्ता सहित अन्य अधिवक्ताओं ने समय मांगा जिस पर कोर्ट ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के बाद मुकर्रर की गई है।

होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर तनावः यूएई के दो तेल टैंकरों पर ईरान ने किया हमला

एक भारतीय की मौत, भारत ने जताया कड़ा विरोध, ईरानी राजदूत तलब

अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारी, सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने सोमवार देर रात यूएई के दो तेल टैंकरों पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 6 भारतीय नागरिकों समेत 8 लोग घायल हैं। इस घटना को भारत ने अत्यंत गंभीरता से लेते हुए नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय में ईरान के वरिष्ठ राजनयिकों, जिनमें डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद हुसैनी शामिल हैं, को तलब किया और इस जानलेवा हमले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

भारत ने ईरान के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में यूएई के टैंकर एमटी अल बहियाह और एमटी मोंबासा पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन दोनों जहाजों पर 30 भारतीय नाविक सवार थे। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में ईरान के उप राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने क्षेत्र में तुरंत हिंसा रोकने, नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित आवाजाही व निर्बाध व्यापार बहाल करने की मांग की है।

सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई 90% खत्म

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि हालिया अमेरिकी और इजराइली हमलों में ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई 90% खत्म हो चुके हैं। साथ ही ईरान का शीर्ष सैन्य नेतृत्व भी लगभग पूरी तरह खत्म हो गया है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, 'ईरान के पास अब न नौसेना बची है, न वायुसेना। उसका एयर डिफेंस सिस्टम खत्म हो चुका है और उसके प्रमुख नेता मारे जा चुके हैं।

ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट के मैनेजमेंट से जुड़ा एक बिल संसद में पेश किया गया है।

उन्होंने बताया कि यह बिल होर्मुज स्ट्रेट और फारस की खाड़ी की सुरक्षा और विकास के लिए रणनीतिक कार्रवाई के लिए पेश किया गया है।

ट्रम्प बोले- होर्मुज से जहाज गुजरने पर कोई टैक्स नहीं लगना चाहिए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से किसी भी देश या संस्था को टैक्स नहीं वसूलना चाहिए। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा- मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इस रास्ते से गुजरने के लिए शुल्क लेने का अधिकार होना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा व्यवस्था भी पूरी तरह उचित नहीं है। ट्रम्प ने कहा, 'मुझे टैक्स लेने का विचार पसंद नहीं है, लेकिन यह भी सही नहीं है कि पूरी दुनिया के लिए इस जलमार्ग की सुरक्षा अमेरिका करे।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे

धार भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

धार

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार के भोजशाला-कमाल मौला परिसर से सटे किसी खुले स्थान पर नमाज के लिए जगह देने को कहा है। यह आदेश हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच होने वाले नमाज के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह आदेश एमपी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है।

कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) से यह भी कहा है कि बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करें।

सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोगनमाज अदा कर सकेंगे।

फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला-कमाल मौला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों से जवाब मांगा है। अब इस विवाद पर आगे की सुनवाई बाद में होगी।

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी।

मामले की सुनवाई शुरू होते ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं पर नोटिस जारी करने का फैसला किया। साथ ही, मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए।

जजों के रिटायरमेंट पर सुप्रीम कोर्ट का सभी अदालतों को नोटिस

कहा- सभी पक्षों को सुनना जरूरी, अभी 61 की उम्र तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जाए

जोधपुर

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की सेवा अवधि और रिटायरमेंट की उम्र से जुड़े मामले में देशव्यापी रुख अपनाते हुए फैसला सुनाया है। ऑल इंडिया जजों एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और देश के सभी हाईकोर्ट्स को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले में सभी जिला, स्टेट और निचली अदालतों को आज नोटिस भेजे गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आदेश दिया है कि जब तक यह मामला अदालत में लंबित है, याचिकाकर्ताओं को 61 वर्ष की आयु पूरी होने तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जाए। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। चीफ जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने सोमवार 13 जुलाई को इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चूंकि यह मुद्दा देश के सभी राज्यों और न्यायिक सेवाओं को प्रभावित करने वाला है, इसलिए सभी पक्षों का पक्ष सुनना जरूरी है। कोर्ट ने इस मामले को इसी तरह के एक अन्य लंबित मामले के साथ संलग्न करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट पीठ मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना ने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं को 61 वर्ष की आयु तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते उन्हें पहले ही सेवामुक्त न किया गया हो।

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

कहा- कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

सीबीएसई ने इसी सेशन से पॉलिसी लागू की

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है।

साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में

जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। दरअसल, थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी मौजूदा 2026-27 सेशन से लागू कर दी गई है। नई पॉलिसी के मुताबिक स्टूडेंट्स को 2 भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा पढ़नी होगी। ऐसे में उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि CBSE ने तैयारी के बिना तीन-भाषा नीति लागू कर दी है। स्कूलों में पर्याप्त टीचर, किताबें और जरूरी एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है, जिससे स्टूडेंट-टीचर को परेशानी हो रही है।

वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि नई व्यवस्था को लागू करने में कई व्यावहारिक दिक्कतें हैं. 22 निर्धारित भारतीय भाषाओं में से फिलहाल केवल 3 भाषाओं की किताबें उपलब्ध हैं और अधिकांश स्कूलों में संबंधित भाषाओं के शिक्षक भी नहीं हैं. इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेजी को नॉन नेटिव भाषा मानने से छात्रों के सामने अंग्रेजी या किसी विदेशी भाषा की जगह भारतीय भाषा चुनने का दबाव बन सकता है.

इस दौरान वरिष्ठ वकील आनंद ग्रोवर ने दलील दी कि ट्रक्स्स्थ के सर्कुलर कानून के अनुरूप नहीं हैं और छात्रों को अपनी पसंद की भाषा चुनने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अगर कोई छात्र संस्कृत के बजाय पंजाबी पढ़ना चाहता है, तो उसके लिए न तो शिक्षक उपलब्ध हैं और न ही किताबें.

दो आरपीएस एवं एक जेल सेवा अधिकारी पर गिरी गाज

जयपुर

राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अनियमितता एवं दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर राजस्थान पुलिस सेवा के दो अधिकारियों एवं जेल सेवा की एक अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की मंजूरी दी है।

जेल सेवा की अधिकारी को निलंबित करने तथा एक आरपीएस अधिकारी के विरूद्ध सीसीए नियम 16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई तथा एक के विरूद्ध विभागीय जांच किए जाने की अनुमति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने महिला बंदी सुधार गृह, जयपुर में पदस्थापित उपाधीक्षक सरोज विश्नोई को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मुख्यालय जयपुर से भरतपुर किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

सरोज विश्नोई के विरूद्ध प्राप्त परिवाद में बताया गया था कि वे सुधार गृह की एक महिला बंदी को अपने साथ रखती थी और उस महिला बंदी का कार्यालय के कार्यों में हस्तक्षेप था।

14 महीनों में भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न बदला

10 लाख करोड़ की डिफेंस डील, लंबी जंग की रणनीति

नई दिल्ली

भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न पिछले 14 महीनों में तेज़ी से बदला है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं के लिए मंजूर रिकॉर्ड प्रस्ताव यह दर्शाते हैं कि अब सेनाओं को केवल सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए ही नहीं, बल्कि लंबी और बहुस्तरीय जंग के लिए भी तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 9.80 लाख करोड़ रूपए से अधिक है। यह रक़म एक साथ खर्च नहीं

होगी, बल्कि यह कई सालों में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

अपने स्वयं की तैयारी का एक मुख्य कारण यह है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात हो गई है। इसके अलावा, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना भी बेहद कठिन हो गया है। दुश्मन की रणनीति अक्सर लंबे और आर्थिक दृष्टि से खतरनाक सैन्य संघर्ष को जारी रखना होती है। प्रस्तावों के तहत, महीनों तक हथियार, मरम्मत और रसद बनाए रखने का लक्ष्य रखा गया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य सोच में महत्वपूर्ण बदलाव किया है।

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के सफल उपयोग के बाद, इनकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है, और कुछ के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के घर पर चला बुलडोजर

पिछले हफ्ते एफबीआई की चार्जशीट में नाम आया

बीकानेर

अमेरिका में एफबीआई की चार्जशीट में नाम आने के कुछ ही दिनों बाद राजस्थान के बीकानेर में फरार गैंगस्टर रोहित गोदारा के दो मंजिला मकान पर बुलडोजर चला दिया गया। देर रात जेसीबी से मकान का बड़ा हिस्सा ढहा दिया गया, लेकिन इस कार्रवाई को किसने अंजाम दिया, इस पर अब भी रहस्य बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली है और प्रशासन ने भी इस कार्रवाई की जिम्मेदारी नहीं ली है। उधर, गोदारा के माता-पिता पहले से ही फिरौती के एक मामले में जेल में बंद हैं। लूणकरणसर के कपूरीसर में रोहित गोदारा का मकान है। वहीं लूणकरणसर कस्बे से करीब 16 किलोमीटर दूर तेजाणा ढाणी में दो मंजिला मकान भी है। इस दो मंजिला मकान में लंबे समय से कोई नहीं रहता। देर रात इस मकान का अधिकांश हिस्सा जेसीबी से तोड़ा गया।

संसद के मानसून सत्र में सरकार का बड़ा एजेंडा

भ्रष्टाचार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा से जुड़े अहम बिलों की तैयारी

नई दिल्ली

संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार के प्रशासनिक सुधार, आर्थिक विकास, निवेश को बढ़ावा, शिक्षा व्यवस्था में बदलाव और चुनावी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की संभावना है जिनमें राजनेताओं के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों में कानून को सशक्त बनाने के विधेयक के अलावा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है जो पिछले सत्र में पारित नहीं हो पाया था।

सरकार के ही विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भ्रष्टाचार-रोधी विधेयक सरकार की प्राथमिकता में है, जिनका संबंध भ्रष्टाचार के मामलों

में लंबे समय तक जेल में रहने वाले जनप्रतिनिधियों से है। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में कानून अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना है। सरकार का तर्क है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को मजबूत करेगी।

विपक्ष ने आशंका जताई है कि इन कानून का राजनीतिक दुरुपयोग किया जाएगा हालांकि विपक्षी नेताओं ने इस विधेयक के प्रावधानों का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देने की बात कही है। आर्थिक क्षेत्र में सरकार पूंजी बाजार सुधार विधेयक लाने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य भारतीय शेयर बाजार को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और आधुनिक बनाना है। प्रस्तावित सुधारों के तहत निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा, नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने, डिजिटल निवेश प्रणाली को मजबूत करने तथा पूंजी जुटाने की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने पर जोर रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह विधेयक प्रभावी रूप में लागू होता है तो विदेशी निवेश आकर्षित करने, स्टार्टअप और उद्योगों को पूंजी उपलब्ध कराने तथा भारत को वैश्विक वित्तीय केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इसी क्रम में कंपनी कानून (संशोधन) विधेयक भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार लगातार ÷ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल बना रही है। नए संशोधनों का उद्देश्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस को मजबूत करना, अनुपालन संबंधी अनावश्यक बोझ कम करना, कंपनियों के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाना तथा निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करना है। इससे विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और नई कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वर्तमान में शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र में सरकार उच्च शिक्षा सुधार विधेयक के माध्यम से व्यापक बदलाव की तैयारी में है।

उत्तराखंड के बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

सीसीटीवी फुटेज और रिकॉर्ड की पड़ताल

बदरीनीनाथ

उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय जांच दल ने मंगलवार को बद्रीनाथ धाम पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

जांच दल ने मामले से जुड़े कर्मचारियों से पूछताछ की, घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया और उपलब्ध रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच की। टीम ने चढ़ावा संग्रहण और उसकी निगरानी से जुड़ी पूरी प्रक्रिया का भी परीक्षण किया। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप के नेतृत्व में टीम ने गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) के प्रबंध निदेशक संदीप तिवारी और वित्त अधिकारी जगत सिंह चौहान

के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच दल ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही वहां तैनात कर्मचारियों से पूछताछ की। अधिकारियों ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया और उपलब्ध अभिलेखों और वित्तीय रिकॉर्ड की भी गहन जांच की। टीम ने मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल करते हुए आवश्यक जानकारी एकत्र की। जीएमवीएन के प्रबंध निदेशक संदीप तिवारी ने बताया कि जांच के दौरान यह देखा गया कि संबंधित काउंटर पर किन-किन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती थी। उन्होंने कहा कि पुराने सीसीटीवी फुटेज का भी विस्तार से अध्ययन किया गया तथा मामले में गिरफ्तार आरोपी से संबंधित तथ्यों का भी परीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए जाएंगे।

यदि किसी श्रद्धालु या अन्य व्यक्ति के पास मामले से संबंधित कोई महत्वपूर्ण जानकारी है तो उसे भी जांच टीम के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। यह उनका इस मामले में पहला स्थलीय दौरा है और जांच अभी जारी है। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज: शाह-यादव से जुड़ी घटनाओं से हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में कैबिनेट विस्तार या बड़े राजनीतिक फैसलों का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि उनकी रणनीतिक योजनाएं अत्यंत गोपनीय रहती हैं। हालांकि, हाल की दो घटनाओं ने मानसून सत्र से पहले संभावित कैबिनेट फेरबदल की अटकलों को हवा दी है।

पहली घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इंटेलिजेंस ब्यूरो के निवर्तमान डायरेक्टर तपन डेका के सम्मान में आयोजित डिनर है। एक दुर्लभ सार्वजनिक कदम उठाकर केंद्रीय मंत्री शाह ने एक्स पर डेका की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं। इससे अटकलें हैं कि डेका को सेवानिवृत्ति के बाद जम्मू-कश्मीर से जुड़ी कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे वर्तमान लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना बढ़ती है।

दूसरी अहम घटना केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अचानक हुए प्रशासनिक फेरबदल से जुड़ी है, जिसमें उनके चार अहम निजी सहयोगियों को हटाया गया। केंद्रीय मंत्री यादव को बीजेपी के प्रमुख रणनीतिकार और संगठन से जुड़े अहम व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जिनका प्रभाव उनकी मंत्री पद की जिम्मेदारियों से कहीं अधिक है। इस अप्रत्याशित कदम ने राजनीतिक और नौकरशाही हलकों में हलचल मचा दी है। विपक्षी कांग्रेस ने, पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश के नेतृत्व में, सरकार पर कुशासन और यादव के मंत्रालय में बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। यह घटना किसी बड़े बदलाव का संकेत है या मात्र एक प्रशासनिक कदम, यह देखना बाकी है, लेकिन इससे यादव को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि संसद के मॉनसून सत्र (20 जुलाई से पहले) में कैबिनेट में फेरबदल की संभावना कम है। सरकार का मुख्य ध्यान विधायी कार्यों पर है और प्रधानमंत्री का शेड्यूल भी बहुत व्यस्त है। 20 जुलाई से पहले विस्तार होने पर नए मंत्रियों के पास सत्र की तैयारी के लिए कम समय होगा। इसके बावजूद, सत्र से ठीक पहले भी फेरबदल के उदाहरण रहे हैं, जैसे जुलाई 2021 में कई वरिष्ठ मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को शामिल किया गया था।

डीएम कार्यालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर में सघन तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है।इस धमकी भरे संदेश के मिलते ही प्रशासनिक महकमे और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आई और अधिकारियों व आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षा के तय मानकों के तहत आनन-फानन में बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), डॉग स्क्वाड, फायर ब्रिगेड और एंटी-सबोटेज टीमों को मौके पर बुलाया गया। इन संयुक्त सुरक्षा एजेंसियों ने डीएम कार्यालय की गहन तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अब तक की जांच में परिसर के भीतर कोई भी संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली है। हालांकि, एहतियात के तौर पर पूरे कार्यालय और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, पुलिस की साइबर सेल ने धमकी भरे ईमेल की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। डिजिटल सबूतों और आईपी एड्रेस को खंगाला जा रहा है, ताकि पता लगा सके कि यह ईमेल कहां से भेजा गया था और इसके पीछे किसका हाथ है। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से एक मानसिक रूप से बीमार युवक को गिरफ्तार किया था, जिसने इसरो और एनआईए जैसे प्रमुख संस्थानों को ऐसी ही झूठी धमकियां भेजी थीं। फिलहाल, पुलिस इस मामले को भी गंभीरता से लेकर हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।

बीएसएफ की सतर्कता से कठुआ में नाकाम हुई घुसपैठ की कोशिश

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए की भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ की चेतावनी और चेतावनी स्वरूप की गई फायरिंग के बाद घुसपैठिया वापस पाकिस्तान की ओर भाग गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, रविवार शाम कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर के बोबिया क्षेत्र में बीएसएफ के जवान नियमित निगरानी के दौरान सीमा पर संदिग्ध गतिविधि देख रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र की ओर बढ़ने का प्रयास करते हुए देखा गया। जवानों ने तत्काल उसे रुकने की चेतावनी दी। बताया गया कि चेतावनी के बावजूद संदिग्ध व्यक्ति सीमा पर लगी सुरक्षा बाड़ की ओर लगातार बढ़ता रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ के जवानों ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए चेतावनी स्वरूप कुछ गोलियां चलाईं। फायरिंग की आवाज सुनते ही घुसपैठिया घबरा गया और तुरंत वापस पाकिस्तान की ओर भाग निकला। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई। बीएसएफ ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है तथा आसपास के क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी अन्य घुसपैठ की कोशिश या संदिग्ध गतिविधि की संभावना न रहे। सुरक्षा एजेंसियां घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में समय-समय पर घुसपैठ की कोशिशें होती रही हैं, जिन्हें बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बल अपनी सतर्कता और प्रभावी निगरानी के जरिए लगातार विफल करते रहे हैं। इस ताजा घटना ने एक बार फिर सीमा पर तैनात जवानों की मुस्तैदी और त्वरित प्रतिक्रिया को रेखांकित किया है।

कमजोर पड़ा मानसून, 372 जिले बारिश की कमी से प्रभावित ; खरीफ फसलों पर बढ़ा संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की रफ्तार एक बार फिर धीमी पड़ गई है, जिससे कृषि क्षेत्र की चिंता बढ़ गई है। ताजा स्थिति के अनुसार देश के 372 जिले सामान्य से कम वर्षा की मार झेल रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर वर्षा की कमी बढ़कर 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कमजोर बारिश का सबसे अधिक असर खरीफ फसलों की बुआई पर पड़ रहा है और किसानों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्थिति को गंभीर मानते हुए 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक करने का फैसला किया है। बैठक में वर्षा की कमी वाले क्षेत्रों की स्थिति, फसलों पर पड़ रहे प्रभाव और किसानों को राहत देने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही राज्यों को वैकल्पिक फसलें अपनाने और कृषि सलाह को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। बारिश में कमी के कारण धान, सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बुआई पिछले वर्ष की तुलना में पीछे चल रही है। कृषि मंत्रालय लगातार राज्यों से जानकारी जुटा रहा है और हालात पर नजर बनाए हुए है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है, लेकिन इससे पूरे देश में वर्षा की कमी की भरपाई होने की उम्मीद कम है। सरकार का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। वर्षा की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित राज्यों को अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि कमजोर मानसून का असर खेती और खाद्य उत्पादन पर न्यूनतम रहे।

सुप्रीम कोर्ट में छलका सहारा निवेशक का दर्द, महिला बोली- पति की मौत हो गई, अब तो हमारी जमा पूंजी दिला दीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सहारा समूह में वर्षों पहले निवेश करने वाले लाखों लोगों की उम्मीदें एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में लगी रहीं। सुनवाई के दौरान एक महिला निवेशक भावुक हो गई और अदालत से हाथ जोड़कर अपनी जमा पूंजी वापस दिलाने की गुहार लगाई। महिला ने कहा कि उसके पति का निधन हो चुका है और परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उसने अदालत से कहा कि जीवनभर की बचत सहारा में फंसी हुई है, अब न्याय दिलाया जाए। महिला की भावुक अपील सुनकर अदालत ने उसकी बात सुनी और कहा कि ऐसे मामलों में निवेशकों की परेशानी को समझा जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सहारा से जुड़े मामलों और निवेशकों के भुगतान की प्रक्रिया पर पहले से सुनवाई चल रही है तथा इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सहारा प्रकरण लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में है। वर्ष 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह की दो कंपनियों को निवेशकों का पैसा लौटाने का आदेश दिया था। इसके बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा राशि से पात्र निवेशकों को भुगतान की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन बड़ी संख्या में निवेशक अब भी अपनी रकम मिलने का इंतजार कर रहे हैं। मौजूदा सुनवाई के दौरान अदालत के सामने निवेशकों की परेशानियां फिर प्रमुखता से सामने आईं। अदालत ने संकेत दिया कि लंबित मामलों के साथ निवेशकों के हितों पर भी विचार किया जाएगा। सहारा में निवेश करने वाले लाखों लोगों की नजर अब अदालत के अगले आदेश पर टिकी है, जिससे वर्षों से फंसी उनकी मेहनत की कमाई वापस मिलने की उम्मीद बनी हुई है।

फडणवीस बने महाराष्ट्र के तीसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सीएम, शरद पवार का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई (एजेंसी)।(महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। वे तीन कार्यकालों को मिलाकर अब राज्य में तीसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पद पर रहने वाले नेता बने हैं। इस मामले में उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार के कुल कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, सीएम फडणवीस कुल 2,430 दिनों (लगभग छह साल और सात महीने) तक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, जबकि पवार ने चार अलग-अलग कार्यकालों में कुल 2,412 दिनों तक राज्य की कमान संभाली थी।

बद्रीनाथ दान चोरी: एसआईटी ने प्रमोद नौटियाल को किया गिरफ्तार

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान की धनराशि में हुई गंभीर गड़बड़ी के मामले में आखिरकार बड़ी कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण में जांच कर रही एसआईटी (विशेष जांच दल) ने आरोपी अधिकारी प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एसआईटी की टीम ने प्रमोद नौटियाल को बीते 12 जुलाई की रात लगभग 8ः00 बजे देहरादून से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद नौटियाल को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बद्रीनाथ लाया गया है। गौरतलब है कि बद्रीनाथ धाम में दान के पैसों में हेराफेरी का यह संवेदनशील मामला बीते 2 जुलाई को पहली बार प्रकाश में आया था, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिए थे।

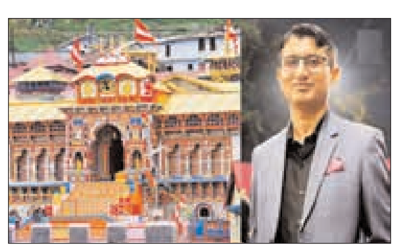

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसआईटी अब अन्य संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है और आने वाले समय में इस प्रकरण में कई और लोगों पर भी शिकंजा कसने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, इस पूरे विवाद की आंतरिक जांच कर रही बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की एक चार सदस्यीय टीम भी आज अपनी जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। इस टीम ने बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा और दान की धनराशि में हुई कथित गड़बड़ी की गहराई से पड़ताल की है। बीकेटीसी की यह विस्तृत रिपोर्ट सीसीटीवी फुटेज और संबंधित कर्मचारियों के लिखित बयानों सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर आधारित होगी। यह प्रकरण विशेष रूप से बीते 2 जुलाई को चढ़ावा गणना के दौरान हुई हेरफेर से संबंधित बताया जा रहा है, जिसने मंदिर की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक कथित लेटर तेजी से वायरल हो गया। इस लेटर के सामने आते ही पूरे देवभूमि उत्तराखंड में बवाल मच गया और विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया था। वायरल हुए इस लेटर में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारियों पर मंदिर के भीतर आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में हेरफेर करने के बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस पावन धाम में कथित गड़बड़ी की खबर आग की तरह फैलते ही तीर्थ पुरोहितों, स्थानीय हक-हकूकधारियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में जबरदस्त उबाल आ गया था। श्रद्धालुओं के बीच भी यह खबर चिंता का विषय बन गई थी। एसआईटी द्वारा की गई यह पहली गिरफ्तारी इस बात का संकेत है कि जांच एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अब सबकी निगाहें बीकेटीसी की रिपोर्ट और एसआईटी की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं, यह देखना होगा कि इस बड़े घोटाले में और कितने नाम सामने आते हैं और न्याय कब तक मिल पाता है।

ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा साबित हुआ खोखला

–भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने देश में उजागर हो रहे विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2014 में दिया गया ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा वास्तविकता में खोखला साबित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार विरोधी दावों पर सवाल खड़े होते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि मई 2014 में सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन समय के साथ यह दावा खोखला साबित हुआ। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति खाऊंगा, खाने दूंगा और खिलाऊंगा जैसी बन गई है।

कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नोटबंदी पर दिए गए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने इसे संगठित लूट और कानूनी रूप से वैध ठहराई गई लूट बताया था। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (जीएसपीसी) का ओएनजीसी में विलय कर कथित वित्तीय अनियमितताओं को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने चुनावी बॉन्ड योजना को भी निशाने पर लेते हुए इसे चंदा दो, धंधा लो व्यवस्था करार दिया और आरोप लगाया कि इससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला।

जारी विभिन्न रिपोर्टों का दिया हवाला

कांग्रेस ने अदाणी समूह, राफेल सौदे, पीएम केयर्स फंड तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। जयराम रमेश ने दावा किया कि हाल के सप्ताहों में सामने आए कई मामलों ने सरकार की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे के कथित दुरुपयोग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पर रिश्तेदारों को कथित लाभ पहुंचाने के आरोप, विपक्षी दलों के नेताओं को वित्तीय प्रलोभन देकर दल बदल कराने, एक केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा सरकारी योजना की सब्सिडी लेने तथा पर्यावरण मंत्रालय में अधिकारियों के तबादलों जैसे मुद्दों का भी उल्लेख किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में परीक्षा प्रणाली भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से प्रभावित हुई है, जिससे करोड़ों छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कांग्रेस ने इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा केंद्र सरकार से जवाब देने की मांग की है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद विवाद: शुभेंदु अधिकारी का बयान, राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता एयरपोर्ट के भीतर स्थित पुरानी मस्जिद में सामूहिक नमाज़ पर रोक लगाने और उसके प्रस्तावित स्थानांतरण को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान तेज हुआ है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि बताकर अपना रुख साफकिया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धार्मिक स्वतंत्रता का बचाव किया है। सीएम अधिकारी ने विवाद पर टिप्पणी कर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि चीन और बांग्लादेश जैसे संवेदनशील पड़ोसी देशों के करीब स्थित भू-रणनीतिक महत्व के इंस्टॉलेशन (एयरपोर्ट) के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रखे जा सकते। सीएम अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एयरपोर्ट की सुरक्षा को अन्य सभी चीजों से ज़्यादा प्राथमिकता मिलेगी। वहीं, सीएम सुवेंदु ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों में बाधा डालती है। उन्होंने कहा, हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने उदाहरण देकर बताया कि बकरीद (ईद-उल-अज़हा) जानवरों की बलि से जुड़े कानूनों का पालन कर मनाई गई और मुहर्रम बिना हथियार लहराए शांतिपूर्वक संपन्न हुआ, जिससे कोई समस्या नहीं हुई। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने नागरिकों से कानून का पालन करने और धर्म को एक निजी मामले के रूप में देखने का आग्रह किया, ताकि सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहे।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मस्जिद को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कदम ज़रूरी है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, जबकि उनकी मौजूदा सरकार ऐसी राजनीति में विश्वास नहीं रखती और मस्जिद को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय ने बांकरा मस्जिद में प्रवेश पर अनिश्चितकालीन रोक और उसके स्थानांतरण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। ममता के नेता रॉय ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की सहमति के बिना मस्जिद के संबंध में कोई भी निर्णय नहीं होना चाहिए।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने शनिवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बांकरा मस्जिद (जिसे गौरीपुर जामा मस्जिद भी कहा जाता है) को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंदर मौजूद मस्जिद में मरम्मत कार्य के चलते तीन दिनों के लिए नमाज़ रोक दी गई है। माना जाता है कि 130 साल से भी ज़्यादा पुरानी यह मस्जिद एयरपोर्ट के निर्माण से भी पहले से मौजूद है और यह एयरपोर्ट के सेकेंडरी रनवे से करीब 165 मीटर की दूरी पर स्थित है।

पीएम मोदी की पंजाब यात्रा से पहले खालिस्तानी हुए सक्रिए

भोपाल (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा से पहले राज्य में खालिस्तान समर्थक तत्वों की सक्रियता चिंता का विषय बन गई है। संभावना है कि प्रधानमंत्री 15 और 17 जुलाई के बीच पंजाब का दौरा कर सकते हैं, जिसमें लुधियाना और जालंधर में कार्यक्रम और चंडीगढ़ में कई विकास कार्यों का उद्घाटन शामिल है। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिल्ली जा रही एक ट्रेन पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह ट्रेन फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर थी और इस वीडियो को अलगाववादी समूह सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पोस्ट किया था। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकती है, लेकिन घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गए हैं।

पन्नू ने अपने वीडियो में मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का नाम भी लिया है, जो अपनी फिल्म सतलुज के कारण इन दिनों फिर से चर्चा में हैं। पन्नू ने पीएम मोदी की आगामी यात्रा के दौरान खालिस्तानी झंडे दिखाने का आह्वान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने दावा किया है कि खालड़ा ने 90 के दशक में अज्ञात शवों से जुड़े मामलों के दस्तावेज तैयार किए थे, जो मानवाधिकार उल्लंघन के एक पैटर्न को दर्शाते हैं। इस बीच, अधिकारियों ने फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है ताकि ट्रेन पर नारे लिखने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा सके। पुलिस मौका-ए-वारदात से फॉरेंसिक सबूत भी जुटा रही है और पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज भी विवादों के केंद्र में है। इस फिल्म का शीर्षक पहले पंजाब 95 था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1984 और 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के गैर-कानूनी ढंग से किए गए अंतिम संस्कार की जांच की थी। इसे 3 जुलाई को रिलीज होने के दो दिन बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से हटा दिया गया था, क्योंकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त की थीं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म निर्माताओं पर विवादित दावों को स्थापित इतिहास के तौर पर पेश करने का आरोप लगाया है। बिट्टू, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, ने कहा कि पंजाब का दर्दनाक अतीत कोई ऐसी पटकथा नहीं है जिसे किसी विमर्श के हिसाब से चुनिंदा ढंग से संपादित किया जा सके। उन्होंने फिल्म निर्माताओं को 25,000 लोगों के लापता होने या उन्हें गैर-कानूनी तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के सभी दस्तावेजी सबूत, सरकारी रिकॉर्ड और न्यायिक निष्कर्ष सार्वजनिक करने की चुनौती दी है, जैसा कि फिल्म में दर्शाया गया है। यह विवाद और खालिस्तानी तत्वों की सक्रियता प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले राज्य में सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है।

राजभर का अखिलेश पर तीखा हमला, सपा शासन गुंडागर्दी और जातीय हिंसा का दौर

– कहा– सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा था ; और घटनाओं को भी जनता के सामने लाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके पूर्ववर्ती शासन पर तीखा हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव के कार्यकाल को गुंडागर्दी, अराजकता और जातीय हिंसा का खौफनाक दौर करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखे अपने पोस्ट में सपा शासनकाल की दो चर्चित जघन्य घटनाओं - बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म और बदायूं में दलित बहनों के बलात्कार एवं हत्या - का विशेष रूप से जिक्र किया। राजभर ने आरोप लगाया कि सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ था और उन्होंने ऐसी अन्य घटनाओं को भी जनता के सामने लाने की बात कही। राजभर ने अपने बयान की शुरुआत एक हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा ?कि अखिलेश यादव दो दिन पहले आपके लोगों की गुंडई देखकर मुझे आपके कार्यकाल की सपाई गुंडागर्दी, अराजकता और आतंक का खौफनाक दौर याद दिला दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के कर्म और कांड आज भी उनकी आंखों के सामने तैरने लगते हैं। मंत्री राजभर ने 2016 की बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म घटना का उल्लेख किया, जिसमें दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे पर एक मां और उसकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप हुआ था। उन्होंने मां की मार्मिक गुहार का भी जिक्र किया और तत्कालीन रामपुर के सपा नेता आजम खान के उस घटना पर दिए गए अशोभनीय बयान की भी याद दिलाई। राजभर ने दावा किया कि योगी सरकार में इस मामले के मुख्य आरोपी को 2020 में गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, और पुलिस पर हमला करने के प्रयास के बाद उसे ठोक दिया गया। अपने पोस्ट में राजभर ने 2014 के बदायूं कांड का भी हवाला दिया, जहां दो दलित बहनों के साथ बलात्कार के बाद उनकी हत्या कर दी गई थी और लाशों को पेड़ पर लटका दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले के ज्यादातर आरोपी अखिलेश यादव के स्वजातीय थे और आर्टिकल 15 जैसी फिल्म बनाकर इस मामले को सामान्य करने की कोशिश की गई। मंत्री राजभर ने अखिलेश यादव को तैयार रहने को कहते हुए कहा कि वह सपा सरकार की एक जनपद-एक जातीय हिंसा की पूरी फेहरिस्त जनता के सामने खोलेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और दलितों पर हुए अत्याचारों, मारपीट, हत्या और बलात्कार की घटनाओं को याद दिलाते हुए कहा कि लोग इन जुल्मों को भूले नहीं हैं।

मैसेजिंग ऐप्स के लिए समान नियम बनाने की तैयारी में केंद्र

–प्रस्तावित फीचर्स पर बनेगा साझा ढांचा, सभी प्लेटफॉर्म से विचार-विमर्श के बाद होगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में संचालित सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए समान नियामकीय मानक (कॉमन स्टैंडर्ड्स) तैयार करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक ऐसे ढांचे को तैयार करने पर काम कर रहा है, जिससे विभिन्न मैसेजिंग सेवाओं पर एक जैसे नियम लागू किए जा सकें और नए फीचर्स को लेकर लिए जाने वाले सरकारी निर्णयों को स्पष्ट कानूनी आधार मिल सके।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार को व्हाट्सऐप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर कुछ सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि उपयोगकर्ताओं की पहचान केवल यूजरनेम के आधार पर होने लगे तो किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण करने (इम्पर्सोनेशन), ऑनलाइन धोखाधड़ी, तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों और जांच एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से अभी कोई अंतिम निर्णय घोषित नहीं किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रालय इस मुद्दे पर सभी प्रमुख मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है।

सरकार का उद्देश्य ऐसा समान नियामकीय ढांचा तैयार करना है, जिसमें किसी एक मंच पर किसी फीचर को प्रतिबंधित करने और दूसरे मंच पर उसी सुविधा की अनुमति देने जैसी स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान व्यवस्था में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट और समान नियमों का अभाव है। इसलिए भविष्य में किसी भी नए फीचर के मूल्यांकन और अनुमति से संबंधित निर्णय एक समान मानकों के आधार पर लिए जा सकें, इसके लिए साझा दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

सरकार का कहना है कि अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अन्य हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। विचार-विमर्श के बाद सभी पहलुओं को सामने रख कर उचित फैसला लिया जा सकेगा। इसके बाद ही किसी नए नियामकीय ढांचे या दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

प्रसूता मौत प्रकरण पर सरकार एक्शन मोड में, भीलवाड़ा पहुंचे चिकित्सा मंत्री खींवसर

प्रसूता मौत मामले में जांच तेज, ऑपरेशन थिएटर से जुड़े दस्तावेज तलब, बोले-पूरी जांच के बाद ही सामने आएगी सच्चाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। कोटा के सरकारी अस्पताल में प्रसूताओं की मौतों के बाद राज्य सरकार ने भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में सामने आए मामलों को भी गंभीरता से लेते हुए जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में लगातार बढ़ते जनाक्रोश, विपक्ष के विरोध प्रदर्शन और सर्व समाज के आंदोलन के बीच मंगलवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर भीलवाड़ा पहुंचे और महात्मा गांधी चिकित्सालय की मातृ एवं शिशु (एमसीएच) इकाई का निरीक्षण किया। मंत्री खींवसर के सर्किट हाउस पहुंचने पर पुलिस जवानों ने मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूजा गंगराडे और महात्मा गांधी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अस्पताल पहुंचने पर नर्सेज यूनियन के पदाधिकारियों ने उपरना ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मंत्री ने अस्पताल परिसर में आधुनिक नर्सिंग की जनक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इसके बाद चिकित्सा मंत्री ने महात्मा गांधी चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु विभाग का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने ऑपरेशन थिएटर, वार्ड और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा जांच से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज अधिकारियों से तलब किए। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि जयपुर से आई विशेषज्ञ टीम मामले की जांच कर रही है तथा प्रदेश स्तर के वरिष्ठ अधिकारी भी भीलवाड़ा पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन थिएटर कब बंद किया गया, उसका कल्चर सैंपल कब लिया गया और उसके बाद वहां कोई डिलीवरी हुई या नहीं, इन सभी बिंदुओं से संबंधित दस्तावेज मंगवाए गए हैं। मंत्री ने कहा, पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही तथ्यों के आधार पर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा के बाद वे बांसवाड़ा जाकर वहां हुई घटनाओं की भी समीक्षा करेंगे। जांच रिपोर्ट आने के बाद जिला प्रशासन और जनसंपर्क विभाग के माध्यम से पूरी जानकारी साझा की जाएगी। हालांकि, जब पत्रकारों ने चिकित्सकीय लापरवाही और संभावित कार्रवाई को लेकर सवाल पूछे तो चिकित्सा मंत्री बिना कोई टिप्पणी किए वहां से रवाना हो गए। मामले की संवेदनशीलता और जनाक्रोश को देखते हुए जिला प्रशासन ने अस्पताल और कलेक्ट्रेट परिसर को सुरक्षा छावनी में तब्दील कर दिया।

अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार, एमसीएच विंग और कलेक्ट्रेट परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। विदित रहे की महात्मा गांधी चिकित्सालय की मातृ एवं शिशु (एमसीएच) इकाई में पिछले दिनों चार प्रसूताओं सहित पांच महिलाओं की हुई मौतों के मामले ने अब प्रदेशभर में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज कर दी है। आमजन, सामाजिक संगठन और मृतकों के परिजन अब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि सरकार इस संवेदनशील मामले में क्या निर्णय लेती है और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है। मामला अब केवल अस्पताल की लापरवाही तक सीमित नहीं रहकर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही का बड़ा मुद्दा बन गया है।

जिला अस्पताल में प्रसूताओं की मौत पर फूटा सर्व समाज का आक्रोश

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच, मुआवजा व आश्रित को सरकारी नौकरी की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। महात्मा गांधी चिकित्सालय में कथित चिकित्सकीय लापरवाही के चलते प्रसूताओं की मौत के मामलों को लेकर मंगलवार को सर्व समाज के बैनर तले जिला कलेक्टर कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने, दोषी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन के दौरान मृतक महिलाओं फोरी देवी, ईशा पांडे, दिव्या सेन, संगीता जीनगर और शिमला देवी गुर्जर के परिजन भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। परिजनों ने प्रशासन के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, उचित मुआवजा तथा प्रत्येक पीड़ित परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी।

सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकारी अस्पताल आमजन के विश्वास का केंद्र होते हैं, लेकिन यदि चिकित्सकीय लापरवाही के कारण लगातार माताओं की मौत हो रही है तो यह पूरे स्वास्थ्य तंत्र की गंभीर विफलता है। उन्होंने अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज, ड्यूटी रोस्टर, केस शीट, ऑपरेशन रिकॉर्ड सहित सभी चिकित्सा अभिलेख सुरक्षित रखने, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा अस्पताल की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं की गई और पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिला, तो सर्व समाज पूरे जिले में चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन करेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की होगी।

प्रेम प्रसंग में हुई महिला की हत्या का खुलासा, प्रेमी गिरफ्तार

गुमशुदगी के चंद घंटों बाद पुलिस ने सुलझाई गुत्थी, मेडिकल बोर्ड से कराया गया पोस्टमार्टम

स्मार्ट हलचल| रायला

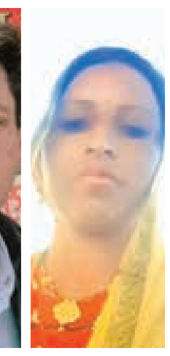

शंभूगढ़ थाना पुलिस ने रानीखेड़ा के जंगल में मिले महिला के शव मामले का त्वरित खुलासा करते हुए हत्या के आरोप में मृतका के कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम जांच में प्रेम प्रसंग और आपसी विवाद हत्या की वजह सामने आया है।

पुलिस के अनुसार, मृतका मंजू देवी (30) पत्नी सुखदेव रेगर, निवासी दौलतपुरा की ढाणी, थाना शंभूगढ़, 9 जुलाई से लापता थी, जिसकी गुमशुदगी शंभूगढ़ थाने में दर्ज थी। मंगलवार को रानीखेड़ा के जंगल में महिला का शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच तेज की और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर आरोपी जगदीश बैरवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार किया।

प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार, आरोपी ने अवैध संबंधों के शक और आपसी विवाद के चलते गमछे से गला घोंटकर मंजू की हत्या कर दी। इसके बाद शव को जंगल में फेंक दिया, ताकि घटना को छिपाया जा सके।

घटना के खुलासे के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, रायला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल बोर्ड की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। यह भी जांच की जा रही है कि वारदात में आरोपी के साथ किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

ढ़ेलाणा में घर के बाहर से बाइक चोरी

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर कस्बे के निकटवर्ती ढ़ेलाणा गांव में सोमवार सायं घर के बाहर खड़ी एक बाइक को अज्ञात चोर चुरा कर ले गया, प्रार्थी ने थाने में रिपोर्ट दी । प्रार्थी शंकर लाल जाट ने बताया कि उनकी बाइक उनके भाणेज हरिलाल जाट के पास थी, जिसको हरिलाल पम्प के सामने घर के बाहर हाईवे किनारे खड़ी कर घर में गया और कुछ देर बाद वापस आकर देखा तो बाइक नही मिली, इस पर काफी तलाश की सीसीटीवी कैमरे में एक युवक बाइक को ले जाता हुआ दिखा, इस पर बड़लियास थाने पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बाइक चोरी की रिपोर्ट दी।

भीमगंज पुलिस ने किया नकबजनी की वारदातों का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भीलवाड़ा पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए भीलवाड़ा शहर और माण्डलगढ़ क्षेत्र में सक्रिय नकबजनी (चोरी) करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो शातिर चोरों और चोरी के जेवरात बिकवाने में मदद करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने भीमगंज व माण्डलगढ़ थाना क्षेत्र में चोरी की दो-दो वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार 27 जून 2026 की रात 12:30 से 1:00 बजे के बीच आरोपियों ने सुने मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था । शिकायतकर्ता बालमुकुन्द उम्र 48 वर्ष, पुत्र स्व. गोविन्द लाल छिपा, निवासी मंगरोप, हाल किरायेदार-तिलकनगर, भीलवाड़ा ने थाने में मामला दर्ज कर बताया की वह अपने परिवार के साथ 26 जून 2026 को उज्जैन यात्रा पर गए हुए थे। पीछे से अज्ञात चोरों ने उनके सूने मकान का ताला तोड़कर नकद और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पडोसियों से सूचना मिलने पर प्रार्थी ने थाना भीमगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया ओर महिल सहित गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया । पूछताछ में आमने आया की

आरोपी दिन के समय भीलवाड़ा और आस-पास के रिहायशी इलाकों में रेकी करते थे। जिन मकानों के बाहर ताला लटका मिलता था, उन्हें निशाना बनाकर रात के अंधेरे में ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

उक्त कार्यवाही को अंजाम देने के लिए एसपी सागर राणा (के आदेशानुसार, पारसमल जैन (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय) के निर्देशन तथा सज्जन सिंह पुलिस उप अधीक्षक, वृत्त शहर के सुपरविजन में भीमगंज थानाधिकारी सुनील चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर मुंह पर कपड़ा बांधकर घूमने वाले संदिग्धों से पूछताछ की गई। इसके अलावा साइबर सेल की मदद से सीडीआर और बीटीएस का विश्लेषण किया गया।

अजमेर डीएसटी ओर भीलवाड़ा पुलिस की कार्यवाही

आरोपी मोहम्मद साहिल भीलवाड़ा से मुंबई भागने की फिराक में था। भीमगंज पुलिस ने तुरंत आसूचना विकसित कर आरपीएफ अजमेर और अजमेर डीएसटी को सूचित किया। संयुक्त कार्रवाई करते हुए अजमेर से आरोपी को दबोच लिया गया।

इन्हें किया गिरफ्तार

1 मोहसिन उर्फ टिन्चा कदीर मोहम्मद 26 वर्ष, पठान मुसलमान पुरानी आबादी, किला रोड, माण्डलगढ़ (भीलवाड़ा) मुख्य चोर/ नकबजनी

2 मोहम्मद साहिल उर्फ टुटीया मोहम्मद फरीद शाह 18 वर्ष, फकीर मुसलमान वार्ड नं. 34, हलेड रोड, ज्योतिनगर, हाल सूर्यमहल के पीछे, शास्त्रीनगर (भीलवाड़ा)मुख्य चोर (मुंबई भागने की फिराक में था)

3 सलमा बानू मोहम्मद फरीद शाह (पत्नी) 40 वर्ष, मुसलमान वार्ड नं. 34, हलेड रोड, ज्योतिनगर, थाना कोतवाली भीलवाड़ा

लाडपुरा में अच्छी बारिश की कामना को लेकर गांव बाहर चूरमा बाटी एवं सामूहिक भोजन करते ग्रामीण

लोक परंपरा के साथ किया वर्षा ऋतु का स्वागत

गांवों में खेड़ा देवता को चूरमा बाटी का लगने लगा भोग, अच्छी बारिश की कामना

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। लाडपुरा में मंगलवार अमावस्या पर गांव बाहर भोजन का आयोजन किया गया। मानसून की पहली फुहार के साथ ही लाडपुरा क्षेत्र के गांवों में परंपरागत गांव बाहर चूरमा बाटी,, आयोजन की धूम शुरू हो गई है। इस आयोजन के तहत ग्रामीण अपने खेड़ा देवता को चूरमा बाटी का भोग लगाकर अच्छी बारिश, फसलों की समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना करने में जुट गए है। क्षेत्र की खुशहाली में हर परिवार के सहयोग से खेड़ा खूंट माताजी, देवनारायण भगवान, भेरुनाथ, तेजाजी महाराज, चौथ माताजी, इंद्रदेव की पूजा अर्चन कर भैरू नाथ देवी देवताओं को लगाया लाडू बाटी का भोग लगाया। गत रविवार को लाडपुरा क्षेत्र के गांवों में यह आयोजन श्रद्धा और लोक आस्था के साथ संपन्न हुआ। यह परंपरा विगत कई पीढ़ियों से चली आ रही है, जिसमें गांव के बाहर प्राकृतिक स्थल पर, खेतों पर ग्रामीण एकत्र होकर चूरमा बाटी बनाते हैं, और खेड़ा देवता, स्थानीय ग्राम देवता को प्रथम भोग अर्पित किया जाता है। उसके बाद सभी ग्रामीण एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण करते हैं। कृषि प्रधान समाज की यह लोक परंपरा प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को दर्शाती है, जहाँ किसान मानसून के आगमन को सिर्फमौसम परिवर्तन नहीं, बल्कि धरती की धड़कन और भविष्य की आशा के रूप में देखते हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने इस आयोजन में भाग लियाए और लोकगीतों, पूजा-अर्चना तथा सामूहिक भोजन के माध्यम से वर्षा ऋतु का स्वागत किया। खेड़ा देवता के प्रति आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की यह जीवंत परंपरा राज-स्थान की सांस्कृतिक विरासत की अनूठी झलक पेश करती है। क्षेत्र में गांव बाहर का यह क्रम अभी कुछ दिनों तक चलेगा और रविवार के दिन अधिक गांवों में यह आयोजन होगा। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता, सामाजिक भाव बनाए रखने के लिए एक दूसरे को घर पर बुला कर भोजन कराया इस समय बारिश बेहद जरूरी है किसानों की चिंता बढ़ा रही हैं कस्बे में किसानों ने खेतों में मक्का, ज्वार बाजरा,मूंग, उड़द,तिल एवं मूंगफली फसलों में बारिश की जरूरी है।

जमीनी धोखाधड़ी केस में कारोबारी अनिल छाजेड़ फिर गिरफ्तार

घर की तलाशी में मिले खाली स्टांप पेपर, कोर्ट ने भेजा जेल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जमीनी धोखाधड़ी के मामले में प्रताप नगर थाना पुलिस ने कारोबारी अनिल छाजेड़ को प्रोडक्शन वारंट के तहत जेल से गिरफ्तार कर दोबारा पूछताछ की। प्रताप थाना प्रभारी सुनील ताडा ने बताया कि जमीनी धोखाधड़ी के मामले में आरोपी अनिल छाजेड़ को जेल से पुनः प्रोडक्शन वारंट से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के मकान की गहन तलाशी ली, जहां से कुछ खाली स्टांप पेपर बरामद हुए। इन स्टांप पेपरों के उपयोग और उनसे जुड़े संभावित दस्तावेजों की पुलिस गहन जांच कर रही है।

ताड़ा ने बताया कि रिमांड अवधि पूरी होने पर आज आरोपी का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी दस्तावेजों और साक्ष्यों की बारीकी से जांच की जा रही है तथा प्रकरण के हर पहलू की पड़ताल जारी है।

एमसीएच में 5 प्रसूताओं की मौत पर कानूनी घेराबंदी, अस्पताल प्रबंधन पर 75 लाख मुआवजे की मांग

कांग्रेस नेता व एडवोकेट डीडवानिया ने स्थायी लोक अदालत में परिवाद दायर

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

महात्मा गांधी अस्पताल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय (एमसीएच) में छह दिनों के भीतर पांच प्रसूताओं की मौत के मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। कांग्रेस के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ (देहात) के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता राजू डीडवानिया ने मंगलवार को स्थायी लोक अदालत में परिवाद दायर कर अस्पताल प्रबंधन, मेडिकल कॉलेज प्रशासन और जिला प्रशासन को पक्षकार बनाया है।

परिवाद में आरोप लगाया गया है कि एमसीएच में प्रसूताओं की मौत अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की गंभीर लापरवाही का परिणाम है। अस्पताल में संक्रमण की आशंका के बावजूद सिजेरियन ऑपरेशन जारी रखे गए, जिससे एक के बाद एक पांच महिलाओं की मौत हो गई। इस घटनाक्रम के बाद सरकारी अस्पताल से लोगों का भरोसा उठ गया है और मरीज मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख कर रहे हैं।

परिवाद में यह भी कहा गया है कि करीब नौ वर्ष पुराने एमसीएच अस्पताल में आज तक अपना आईसीयू, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड और क्रिटिकल केयर जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। गंभीर प्रसूताओं को दूसरे अस्पताल के आईसीयू में शिफ्ट करने में लगने वाला समय कई बार जानलेवा साबित हो रहा है।

डीडवानिया ने लोक अदालत से अस्पताल का नियमित निरीक्षण कराने, प्रत्येक मृतका के परिजनों को 15-15 लाख रुपये मुआवजा तथा एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के निर्देश जारी करने की मांग की है। साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं की जवाबदेही तय कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है। परिवाद में छह दिनों के भीतर मृत हुई पांच प्रसूताओं के नाम और मृत्यु तिथियों का उल्लेख करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई है।

घर में घुसकर महिला से लूट, विरोध करने पर बेरहमी से पीटा, छीने टॉप्स व रामनामी

तीन दिन में दूसरी वारदात से दहशत, बेटों को बाहर से कमरे में बंद कर बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

स्मार्ट हलचल|बिजोलिया

उपखंड क्षेत्र की जलिंद्री ग्राम पंचायत के अमरपुरा गांव में सोमवार देर रात बेखौफ बदमाशों ने घर में घुसकर एक महिला के साथ लूटपाट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने पहले महिला के दोनों बेटों के कमरों की बाहर से कुंडी लगा दी, ताकि वे बीच-बचाव नहीं कर सकें। इसके बाद महिला के साथ मारपीट करते हुए उसके गले से करीब एक तोला वजनी रामनामी और कानों के टॉप्स लूट लिए। टॉप्स खींचने से महिला के दोनों कान फट गए और गले पर भी गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार अमरपुरा निवासी नंदू देवी (55) पत्नी रामलाल मीणा सोमवार रात करीब दो बजे घर के बरामदे में सो रही थीं। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार होकर आए तीन अज्ञात बदमाश घर में घुस गए। वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने महिला के दोनों बेटों सत्यनारायण मीणा और वैद्यराज के कमरों की बाहर से कुंडी लगा दी। इसके बाद दो बदमाशों ने महिला को पीछे से पकड़ लिया, जबकि तीसरे बदमाश ने उसके गले से रामनामी

और कानों के टॉप्स छीनने का प्रयास किया। महिला द्वारा विरोध करने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और जबरन आभूषण खींच लिए। इस दौरान टॉप्स खींचने से महिला के दोनों कान फट गए और गले पर भी गहरी खरोंचें आ गईं। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

शोर सुनकर भी नहीं निकल सके बेटे

पीड़िता के पुत्र सत्यनारायण मीणा ने बताया कि देर रात अचानक मां के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। वह और उसका भाई वैद्यराज कमरे से बाहर निकलने लगे, लेकिन दरवाजे की बाहर से कुंडी लगी होने के कारण बाहर नहीं आ सके। काफी प्रयास के बाद पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोला गया, तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। घायल महिला को तत्काल नजदीकी चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

पुलिस ने शुरू की जांच, बदमाशों की तलाश तेज

घटना की सूचना मिलते ही काछोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी जांच कर रही है।

तीन दिन में दूसरी वारदात, ग्रामीणों में रोष

पूर्व सरपंच विजय तिवारी ने बताया कि पिछले तीन दिनों में पंचायत समिति क्षेत्र में महिलाओं के साथ घर में घुसकर लूट की यह दूसरी घटना है। इससे पहले बिजोलिया थाना क्षेत्र के राणाजी का गुड्डा गांव में भी इसी तरह महिला से लूटपाट की वारदात हुई थी। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, बदमाशों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

आसींद के कलाकार का कमाल, शुद्ध चांदी से गढ़ दिया 'आईफोन' 148 ग्राम चांदी, 5 घंटे की मेहनत और बेमिसाल हुनर... भागीरथ सोनी की कलाकृति बनी आकर्षण का केंद्र

भीलवाडा / जिले के आसींद कस्बे के स्वर्णकार कलाकार भागीरथ सोनी ने अपनी अनूठी कला से एक बार फिर सबको चौंका दिया है। 'मातेश्वरी वर्क आर्ट' के संचालक भागीरथ ने ग्राहक की विशेष मांग पर शुद्ध चांदी से 148 ग्राम वजनी आईफोन तैयार किया है, जिसकी बारीक नक्काशी और वास्तविक मोबाइल जैसी बनावट लोगों को आकर्षित कर रही है।

करीब 35 हजार रुपये की लागत से तैयार इस कलाकृति को बनाने में भागीरथ ने लगातार 5 घंटे तक मेहनत की। चांदी के इस आईफोन में वॉलपेपर पर सांवरिया सेठ की तस्वीर के साथ बैटरी, नेटवर्क, कैमरा, डायल पैड, म्यूजिक और गैलरी जैसे फीचर्स को भी जीवंत रूप दिया गया है।

भागीरथ सोनी इससे पहले भी चांदी के हेलीकॉप्टर, जेसीबी, मोटरसाइकिल, टेम्पू, मोबाइल कवर, तलवार, मुकुट, छतर, घोड़े और देवी-देवताओं की आकर्षक प्रतिमाएं बनाकर अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं।

आसींद के इस कलाकार की बेमिसाल कारीगरी की क्षेत्रभर में चर्चा है। स्थानीय लोगों ने उनकी रचनात्मकता और उत्कृष्ट शिल्पकला की जमकर सराहना करते हुए इसे स्थानीय प्रतिभा का शानदार उदाहरण बताया।

शिक्षक के तबादले के विरोध में छात्रों ने किया एनएच-148डी जाम, दो घंटे बाधित रहा यातायात

‘शिक्षक नहीं तो टीसी दो’ के नारे लगाए, रिक्त पद भरने की भी उठाई मांग

स्मार्ट हलचल| अरवड़

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरवड़ में पदस्थापित शिक्षक रामेश्वर चौधरी के स्थानांतरण के विरोध में मंगलवार सुबह छात्र-छात्राओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। शिक्षक का तबादला निरस्त करने और उन्हें विद्यालय में ही बनाए रखने की मांग को लेकर विद्यार्थियों ने भीम-उनियारा एनएच-148डी पर करीब दो घंटे तक जाम लगा दिया।

सुबह करीब 6 बजे बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं विद्यालय से निकलकर शनिमहाराज चौराहे पर पहुंचे और सड़क पर कांटों की बाड़ तथा पेड़ों की टहनियां डालकर यातायात रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने ‘शिक्षक नहीं तो टीसी दो’ सहित विभिन्न नारे लगाए और धरने पर बैठ गए।

जाम के कारण हाईवे के दोनों ओर करीब दो-दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा।

प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों का कहना था कि शिक्षक रामेश्वर चौधरी के स्थानांतरण से उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी। उन्होंने मांग की कि स्थानांतरण आदेश तत्काल निरस्त कर शिक्षक को पुनः विद्यालय में ही पदस्थापित किया जाए।

सूचना मिलते ही फूलियाकलां तहसीलदार रामदेव धाकड़, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण कुमावत तथा फूलियाकलां थानाधिकारी दिनेश कुमार पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से समझाइश कर विद्यालय में शिक्षकों की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद करीब सुबह 8 बजे विद्यार्थियों ने जाम समाप्त कर दिया और यातायात पुनः सुचारु हो सका।

विद्यार्थियों ने इस दौरान विद्यालय में लंबे समय से रिक्त पड़े गणित, अंग्रेजी, हिंदी साहित्य, अंग्रेजी वरिष्ठ अध्यापक, लेवल-प्रथम, लेवल-द्वितीय, प्रधानाचार्य एवं उपप्रधानाचार्य सहित विभिन्न पदों को शीघ्र भरने की भी मांग की। उनका कहना था कि शिक्षकों की कमी के कारण अध्ययन व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है।

संस्कृत विद्यालय में देर रात तोड़फोड़, फर्नीचर व अन्य सामान क्षतिग्रस्त

स्मार्ट हलचल| खजूरी

उप तहसील मुख्यालय खजूरी स्थित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में देर रात अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलने पर अमरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

विद्यालय प्रशासन के अनुसार रात के समय विद्यालय परिसर में घुसे अज्ञात लोगों ने फर्नीचर, लाइट, सूचना बोर्ड, खिड़कियों सहित अन्य सामान में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। प्रारंभिक स्तर पर घटना को नशे की हालत में की गई शरारत माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय प्रशासन ने अमरगढ़ पुलिस चौकी को सूचना दी। पुलिस

ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई और मामले की जांच शुरू कर दी है।

विद्यालय प्रशासन ने बताया कि विद्यालय की पिछली चारदीवारी काफी समय से क्षतिग्रस्त है। इस संबंध में पूर्व में सीबीईओ कार्यालय को भी अवगत कराया गया था। अधिकारियों द्वारा 30 जून 2026 को निरीक्षण भी किया गया, लेकिन अब तक चारदीवारी की मरम्मत नहीं होने से विद्यालय की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। प्रशासन का कहना है कि इसी का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व विद्यालय परिसर में घुस गए।

विद्यालय प्रशासन ने दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा विद्यालय की टूटी चारदीवारी का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सार्वजनिक रास्ते को बंद करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

गुरला। राजस्व ग्राम तगड़िया, ग्राम पंचायत दुदिया, के सैकड़ों ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर, भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर पशुओं के चरने की चारागाह भूमि तक जाने वाले सार्वजनिक आम रास्ते पर लगाए गए अवैध अवरोधों को तत्काल हटाने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की

ज्ञापन में बताया गया कि खसरा संख्या 9 का सार्वजनिक आम रास्ता वर्षों से ग्रामीणों एवं पशुपालकों द्वारा चारागाह भूमि तक आने-जाने के लिए उपयोग में लिया जाता रहा है। आरोप है कि कुछ व्यक्तियों ने इस सार्वजनिक मार्ग पर लोहे की तार-जाली एवं अन्य अवैध अवरोध लगाकर रास्ता बंद कर दिया, जिससे पशुपालकों, ग्रामीणों एवं मवेशियों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों ने गोचर बचाओ फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक गोटू सिंह मंगलपुरा के साथ प्रशासन से मांग की कि सार्वजनिक मार्ग को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कर पुनः चालू कराया जाए, दोषियों के विरुद्ध राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम एवं अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में सार्वजनिक मार्ग एवं चारागाह भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाए।

इस अवसर पर रतनलाल, भेरूलाल, प्रभु, शंकर, नदा, ऊदा, सोहन, गंगाराम सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि सार्वजनिक रास्ते को अवरुद्ध करना ग्रामवासियों एवं पशुपालकों के अधिकारों का हनन है तथा प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने निकाला जुलूस, विभिन्न मांगो को लेकर किया प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल|बनेड़ा

ब्लॉक क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में उपखण्ड अधिकारी और सीडीपीओ को ज्ञापन सौंपा ।

राजस्थान आंगनबाड़ी युनियन द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की स्थाई करने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का मानदेय 28000 तथा सहायिका का मानदेय 25000 करने सेवानिवृत्ती पर मिलने वाली राशि दस लाख रूपए करने . सेवानिवृत्ती से पांच साल पहले महिला पर्यवेक्षक के पद पर पदोन्नति दी जाए। सहित अन्य मांगों को युनियन के पदाधिकारियो और राज्य सरकार के बिच विभिन्न दौर की बातचीत के बाद भी राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगे मानने को तैयार नहीं हुई। जिसके बाद युनियन द्वारा एक जुलाई से पुरे प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों पर तालाबंदी और कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया गया । स आंदोलन की इस कड़ी में 14 जुलाई मंगलवार को ब्लॉक क्षेत्र की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका तहसील के पास इकठ्ठा हुई। जहां पर राजस्थान आंगनबाड़ी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामप्रसाद शर्मा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की जिलाध्यक्ष उमा तिवारी उपाध्यक्ष रजिया मंसूरी संगठन मंत्री पिंकी सेन ब्लॉक अध्यक्ष यशोदा जीनगर मिडिया प्रभारी दुर्गा मेघवंशी आदि सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। संगठन के पदाधिकारियो ने सभी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं से अपने हक के एक होने का आव्हान किया। युनियन के आगामी आदेश तक सभी आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने का निर्णय लिया गया । मिटिंग के पश्चात सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए उपखंड कार्यालय पहुंची। जहां पर अपनी मांगों को लेकर के उपखंड अधिकारी के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा।इसके बाद नारेबाजी करते हुए पंचायत समिति परिसर में स्थित सीडीपीओ कार्यालय पहुंच कर के सीडीपीओ मिनाक्षी यादव को ज्ञापन सौंपा गया।

राज्य सरकार को सद्बुद्धि के लिए किया भजन कीर्तन - आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं द्वारा उपखंड कार्यालय तथा सीडीपीओ कार्यालय में रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम आदि भजन कीर्तन करते हुए राज्य सरकार को सद्बुद्धि देने की ईश्वर से प्रार्थना की।

अधिवक्ता पर जानलेवा हमले के आरोपियों की जमानत खारिज

बार एसोसिएशन ने पहले किया था न्यायिक कार्य का बहिष्कार

स्मार्ट हलचल| मांडलगढ़

अधिवक्ता शराफत हुसैन आसाम पर हुए जानलेवा हमले के मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपियों की जमानत याचिका मंगलवार को न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट, मांडलगढ़ ने खारिज कर दी। तीनों आरोपी 12 जुलाई 2026 से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं।

प्रकरण के अनुसार, 3 जुलाई 2026 को न्यायालय परिसर के सामने अधिवक्ता शराफत हुसैन आसाम एवं उनके भाई अधिवक्ता मोइनुद्दीन आसाम पर कथित रूप से धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया था। बताया गया कि यह घटना एक प्रकरण में विरोधी पक्ष की ओर से विधिक सलाह एवं पैरवी किए जाने की रंजिश को लेकर हुई थी। घटना के विरोध में मांडलगढ़ बार एसोसिएशन ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी। मामले में अब न्यायालय ने आरोपियों की जमानत याचिका निरस्त कर दी है।

सर्वेक्षण प्रपत्र में जातिसूचक कॉलम में रावणा राजपूत अंकित करवाये समाजबंधु

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

रावणा राजपूत मातृशक्ति संगठन जिला प्रवक्ता सुनीता कंवर जादू ने बताया कि संगठन की बैठक संस्थापक अध्यक्ष निशा कँवर गौड़, जिलाध्यक्ष सुनीता कँवर राठौड़, संरक्षक वनिता कँवर पँवार के नेतृत्व में व संध्या कँवर चुंडावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

संस्थापक अध्यक्ष निशा कंवर गौड़ ने बैठक के दौरान बताया कि राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, जयपुर द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग परिवारों का सर्वेक्षण अभियान 10 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा7 अभियान में प्रगणक घर घर जाकर सर्वेक्षण प्रपत्र भरेंगे जिसमें परिवार की संपूर्ण जानकारी भरी जाएगी जिसमें समाजबंधुओं को कॉलम संख्या 6 में जाति/उपजाति का कॉलम है उसमें जाति रावणा राजपूत अंकित करवाये ताकि रावणा राजपूत जाति की वास्तविक जनसंख्या सामने आ सके7 इसके लिए अभियान चलाकर समाजबंधुओं को जागरूक किया जाएगा कि वह घर पर आए प्रगणक को परिवार की सही जानकारी दे व जाति कॉलम मे रावणा राजपूत अंकित करवाये।

जिलाध्यक्ष सुनीता कँवर राठौड़ ने बताया कि संगठन के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में समाज के होनहार जरूरतमंद बच्चों को उच्च शिक्षा में भामाशाहों के माध्यम से सहयोग दिलवाया जा सके इस हेतु प्रयास किये जायेंगे। बालिका शिक्षा व समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की योजनाओं के तहत स्व रोजगार हेतु प्रेरित किया जायेगा। आगामी कार्यक्रमों की भी रूपरेखा तय की गई।

बैठक के दौरान जिला उपाध्यक्ष मनोज कँवर चुंडावत, जिला प्रवक्ता सुनीता कँवर जादू, सीता कंवर गहलोत, प्रेम कँवर, विमला कँवर सहित पदाधिकारीगण मौजूद थे।

नर्सेज की मांगो को लेकर चिकित्सा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के महात्मा गाँधी चिकित्सालय पहुंचने पर राजस्थान नर्सेज यूनियन भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व मे नर्सेज की विभिन्न मांगो को लेकर ज्ञापन दिया और मांग की कि महात्मा गाँधी अस्पताल मे नर्सेज के पद वृद्धि हो, 83 नर्सेज को जिला चिकित्सालय मे ही समायोजित किया जाये और समय पर वेतन दिलवाया जाये । जिला संयोजक अमित व्यास ने बताया की चिकित्सा मंत्री ने सर्वप्रथम नर्सेज की जन्मदात्री फ्लोरेन्स नाईट एंगल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया इस दौरान यूनियन जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट ने मंत्री को पगड़ी, उपरना पहनाकर भीलवाड़ा पहुंचने पर स्वागत किया और नर्सेज की मांगो को पूरा करने का आग्रह किया । इस दौरान ललित जीनगर, गिरिराज लड्ढा, करण सिंह, प्रेम चंद खटिख,काशीराम नायक, निखिल विश्नोई,अंकित काबरा, दिनेश खटीक, कुलदीप, धीरज सिंह, अनीता चौधरी, अनीता खोईवाल, रामजस चौधरी मौजूद रहे।

एमसीएच में प्रसूताओं की मौत का मामला दोषियों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने व उच्च स्तरीय जांच की मांग, सैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

महात्मा गांधी चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय के ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण के बावजूद लगातार सिजेरियन ऑपरेशन किए जाने और इसके चलते मात्र 6 दिनों में 5 प्रसूताओं की असमय मौत के खिलाफ भीलवाड़ा की जनता और विभिन्न संगठनों में भारी आक्रोश है। इस घोर लापरवाही और आपराधिक मामले को लेकर समस्त सेन समाज द्वारा मुख्यमंत्री के नाम भीलवाड़ा जिला कलेक्टर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में अस्पताल प्रशासन की अत्यंत गंभीर अव्यवस्थाओं और आमजन के जीवन के साथ किए गए खिलवाड़ पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया कि अखबार और मीडिया माध्यमों से सामने आए तथ्य बेहद रोंगटे खड़े करने वाले हैं। ऑपरेशन थिएटर की कल्चर टेस्ट

रिपोर्ट पॉजिटिव आने (संक्रमण की पुष्टि होने) के बावजूद वहां लगातार सिजेरियन ऑपरेशन किए जाते रहे। यह सीधे तौर पर एक गंभीर आपराधिक कृत्य है, जिसने पांच हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ दिया है। इस घटना से पूरे भीलवाड़ा क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल है।

ज्ञापन में - (1) पूरे प्रकरण की एक स्वतंत्र और उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा तय समय सीमा में निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए, (2) संक्रमण की पुष्टि के बाद भी डिलीवरी जारी रखने वाले जिम्मेदार डॉक्टरों, अधिकारियों और दोषी कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए, (3) जब तक ऑपरेशन थिएटर पूरी तरह संक्रमण मुक्त और सुरक्षित न हो, तब तक वैकल्पिक सुरक्षित व्यवस्था की जाए। अस्पताल में इंफेक्शन कंट्रोल प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा हो, (4) अस्पताल में प्रतिदिन होने वाले 30-40 सिजेरियन ऑपरेशनों की तुलना में सर्जिकल सेट व उपकरणों की भारी कमी है। वहां तुरंत आधुनिक उपकरण, पर्याप्त जीवन रक्षक दवाएं और नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध कराया जाए, (5) मृत प्रसूताओं के परिवारों को उचित आर्थिक सहायता/मुआवजे के साथ त्वरित न्याय दिया जाए, (6) जिन परिवारों के मासूम बच्चे अपनी माँ को खो चुके हैं, उनके पालन-पोषण, उच्च शिक्षा तक निःशुल्क शिक्षा, छात्रवृत्ति तथा भविष्य की सुरक्षा के लिए विशेष सरकारी सहायता योजना लागू की जाए।

यदि इस बेहद संवेदनशील और मातृ सुरक्षा से जुड़े मामले में राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो क्षेत्र की जनता को न्याय के लिए उग्र आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस दौरान लादूलाल सेन पुर, राजेश सेन दाढीवाला, लालचन्द सेन, गोविन्द सेन, ललित बनेकड़िया, यशोवर्धन सेन, महेश सांवरिया, जसराज सेन, सागर सेन, विकास सेन, संजय सेन, जितेन्द्र सेन, लक्ष्मण सेन, सुनील सेन, दीपक सेन, बबलू सेन, महेन्द्र सेन, दीपक सेन, गोपाल सेन, सोनू सेन, सहित समस्त सेन समाज के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

जिले में थानाधिकारियो का हुआ तबादला

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए पुलिस निरीक्षकों एवं उप निरीक्षकों के तबादले और नवीन पदस्थापन के आदेश जारी किए हैं।

शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार कुल 13 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार हरिनारायण शर्मा को थानाधिकारी लाखेरी, संदीप बिश्नोई को थानाधिकारी बसोली तथा दीनदयाल को थानाधिकारी इन्द्रगढ़ नियुक्त किया गया है। वहीं सुरजीत सिंह को थानाधिकारी गेण्डोली की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा हेमराज मीणा को अपराध सहायक कार्यालय हाजा, हनुमान सहाय वर्मा को संचित निरीक्षक पुलिस लाइन, भगवान सहाय को प्रभारी मानव तस्करी विरोधी यूनिट, सुभाष चन्द्र को प्रभारी यातायात शाखा, इन्द्र कुमार को चौकी प्रभारी पेच की बावड़ी (थाना हिण्डोली) तथा बहादुर सिंह को लाइन ऑफिसर पुलिस लाइन बूंदी नियुक्त किया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बरार जिला राजसमन्द (राज.)

क्रमाक : ग्रापं/लेखा/ई-टेन्डर/2025-26/35 दिनांक : 13.07.2026

ई-निविदा सूचना 01/2026-27

ग्राम पंचायत बरार मे निर्माण कार्यों को करवाने लिए नियम 181 के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में राजस्थान GST अधिनियम 2017/ GST के अन्तर्गत पंजीकृत प्रतिठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती हैं। निविदा का पूर्ण विवरण, शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं Download कर प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड से कार्य दिवसों में देखी जा सकती हैं।

NIB Code-ZRR2627A0307

UBN Code - ZRR2627WSRC00563 to 65

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बरार

निजी विद्यालयों की मांगों व वर्तमान प्रशासनिक संकट के समाधान हेतु सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। निजी विद्यालय संघर्ष समिति और स्कूल शिक्षा परिवार के तत्वाधान में सहाड़ा गंगापुर तहसील के समस्त निजी विद्यालय के संचालकगणों ने उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर को अपनी मांगों के लिए ज्ञापन सोपा जिसमें शिक्षा विभाग की अव्यावहारिक कार्यप्रणाली एवं हमारी वर्षों से लंबित मांगों के समाधान हेतु यह ज्ञापन सौंपा । जिसमें ‘टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य (2002)’ के निर्णय के अनुसार, शिक्षण संस्थाओं का प्रबंधन करना हमारा संवैधानिक मौलिक अधिकार है, जिसका हनन ‘शाला संबलन’ ऐप के माध्यम से थोपे गए अनावश्यक प्रशासनिक दबाव से

हो रहा है। हमारी प्रमुख मांगें: शाला संबलन जाँच का निरस्तीकरण: ‘राज शिक्षा संबलन’ ऐप के माध्यम से थोपी गई 44 बिंदुओं वाली जाँच प्रक्रिया पूर्णतः अव्यावहारिक है और निजी संस्थानों की स्वायत्तता का हनन है। अतः इस जाँच को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। 8-10 वर्ष का विजन एवं समितिः निजी विद्यालयों के निर्बाध, स्थायी एवं स्वायत्त संचालन हेतु आगामी 8-10 वर्षों के लिए एक स्पष्ट और सरल नीति बनाई जाए। इस हेतु गठित होने वाली नीति निर्धारण समिति में सभी संगठनों के कम से कम एक-एक प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाए। आर.टी.ई. पुनर्भरणः न्यायालय के आदेशों के बावजूद लंबित पुनर्भरण का भुगतान इसी वित्तीय वर्ष में त्वरित गति से किया जाए। आर.टी.ई. पुनर्भरण सत्र समाप्ति से पूर्व हो और यूनिट कॉस्ट को प्रतिवर्ष नियमानुसार बढ़ाया जाए।

प्री-प्राइमरी भुगतान एवं चेतावनीः पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के लिए लंबित आर.टी.ई. पुनर्भरण का भुगतान तुरंत किया जाए। यदि विभाग द्वारा इन कक्षाओं का भुगतान नहीं किया जाता है, तो संगठन के समस्त सदस्य इन कक्षाओं के विद्यार्थियों को अध्यापन कार्य करवाने में असमर्थ होंगे।शीथलन एवं स्थान परिवर्तनः वर्ष 2012-13 के अनुरूप ‘शीथलन’ पुनः दिया जाए। किराये के भवनों में संचालित विद्यालयों के लिए स्थान परिवर्तन हेतु मान्यता के समय वाले नियम ही लागू हों।अग्नि सुरक्षाः अग्नि सुरक्षा हेतु 15 मीटर ऊंचाई वाला आदेश ही मान्य रखा जाए।

पोर्टल एवं भुगतान विसंगतियाँ: पी.पी.-3, पी.पी.-4, पी.पी.-5 सहित सभी लंबित क्लेमों का तत्काल भुगतान हो। यू-डायस एवं आर.टी.ई. पोर्टल के ‘मिसमैच’ के कारण भुगतान रोकने की प्रक्रिया समाप्त कर तकनीकी समाधान करवाए। ज्ञापन देने वालों में जीवन सिंह, गुमान सिंह,दिनेश लक्षकार,महेश शर्मा,मयंक तिवारी, गोटू सिंह, रणजीत सिंह राजेन्द्र पाराशर, विनोद पंचोली,ओमप्रकाश गोस्वामी माया पारीक, योगिता दाधीच, वंदना घीया सहित अनेक संचालकगण उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कुशलपुरा जिला राजसमन्द (राज.)

क्रमाक : ग्रापं/लेखा/ई-टेन्डर/2026-27/122 दिनांक : 09.07.2026

ई-निविदा सूचना 01/2026-27

ग्राम पंचायत कुशलपुरा मे निर्माण कार्यों को करवाने लिए नियम 181 के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में राजस्थान GST अधिनियम 2017/ GST के अन्तर्गत पंजीकृत प्रतिठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती हैं। निविदा का पूर्ण विवरण, शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं Download कर प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड से कार्य दिवसों में देखी जा सकती हैं।

NIB Code-ZRR2627A0317

UBN Code - ZRR2627WSRC00592 to 595

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कुशलपुरा

महिला कांग्रेस संगठन विस्तार में जुटी, प्रदेशाध्यक्ष सिंह ने संसद चलो अभियान को सफल बनाने का किया आह्वान

महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की पक्षधर रही है कांग्रेसः प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह

शहर जिलाध्यक्ष रेखा हिरण के नेतृत्व में महिला आरक्षण व ओबीसी महिलाओं को आरक्षण में शामिल करने के समर्थन में चलाया हस्ताक्षर अभियान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के गजाधर मानसिंहका धर्मशाला में मंगलवार को महिला कांग्रेस भीलवाड़ा शहर की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर से पहुंचीं। उनके साथ शहर प्रभारी प्रियंका चौधरी, सह प्रभारी आशा जैन तथा जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष शिवराम जी.पी. खटीक भी मौजूद रहे। महिला कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष रेखा हिरण के नेतृत्व में आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हिरण ने कहा कि महिला कांग्रेस का उद्देश्य संगठन को बूथ, वार्ड और बस्ती स्तर तक मजबूत बनाना है। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ते हुए उनकी आवाज को सशक्त बनाने का आह्वान किया। प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की पक्षधर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जनसंपर्क कर महिलाओं को संगठन से जोड़ने, उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा आगामी संसद चलो कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवराम जी.पी. खटीक ने कहा कि महिला संगठन कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि रेखा हिरण के नेतृत्व में महिला कांग्रेस लगातार सक्रिय होकर संगठन को नई ऊर्जा दे रही है और आने वाले राजनीतिक एवं जन आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रहेगी। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन विस्तार, वार्ड एवं बस्ती स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाने, स्थानीय जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा दिल्ली में प्रस्तावित संसद चलो कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सभी अतिथियों का राज-स्थानी परंपरा के अनुसार पगड़ी एवं फूलमालाओं से स्वागत किया गया। बैठक के बाद महिला कांग्रेस की ओर से महिला आरक्षण लागू करो, आज करो-अभी करो तथा ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण में शामिल करो की मांग को लेकर व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व रेखा हिरण ने किया। उपस्थित महिला कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में हस्ताक्षर कर महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ जारी रखने का संकल्प लिया। बैठक में प्रमुख रूप से महिला उपाध्यक्ष रेखा भट्ट, मोनिका क्रिश्चियन, अनीता पारीक, महासचिव समीम बानो, शम्मा नयाघर, रुक्मणी धोबी, लीला देवड़ा, अनीता परिहार, मंजू माहेश्वरी, वंदना कंवर, संगीता शर्मा, जमीला बानो, फरीदा बानो, अनुराधा झा, शिल्पी सिंह, लीना शर्मा, सलमा बानो सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रही।

बिजयनगर के निजी स्कूल में मधुमक्खियों का हमला, 31 बच्चे घायल

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर (ब्यावर)। केकड़ी रोड स्थित एक निजी विद्यालय में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने स्कूली बच्चों पर हमला कर दिया। इस घटना में कक्षा 5 एवं 7 के करीब 30-31 बच्चे मधुमक्खियों के डंक से घायल हो गए।

घटना के बाद विद्यालय प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायल विद्यार्थियों को तत्काल वाहनों के माध्यम से राजकीय चिकित्सालय, बिजयनगर पहुंचाया। सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित मोदी भी बच्चों का हालचाल जानने चिकित्सालय पहुंचे।

राजकीय चिकित्सालय में देखते ही देखते परिजनों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। डॉ. संदीप एवं चिकित्साकर्मियों की टीम ने सभी बच्चों का तुरंत उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने बताया कि सभी बच्चों को प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक दवाइयां दी गई हैं और सभी की स्थिति फिलहाल सामान्य एवं नियंत्रण में है।

घटना के बाद विद्यालय परिसर में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा। समय रहते बच्चों को अस्पताल पहुंचाने से बड़ा हादसा टल गया।

छीतर सिंह शक्तावत हुवें डाक विभाग से सेवानिवृत

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। राजकीय सेवा में 47 वर्ष भारतीय डाक विभाग छीतर सिंह के सेवानिवृति के उपलक्ष में सम्मान समारोह आयोजित किया। 'छीतर सिंह' डाक विभाग में 47 वर्षों की निष्ठावान सेवा के उपलक्ष में आयोजित सेवानिवृति सम्मान समारोह में भारतीय डाक में 47 वर्षों तक निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक छीतर सिंह को सेवानिवृति पर हार्दिक सम्मान एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं' दी। लाडपुरा निवासी छितर सिंह शक्तावत ने डाक विभाग में अपनी सेवा देते हुए 47 वर्ष तक डाक विभाग में लाडपुरा ग्राम पंचायत वासियों को अपनी सेवाएं दी हैं। ग्राम वासियों का कहना है कि शक्तावत की सेवा बहुत ही सराहनीय है एक-एक चिट्ठी घर-घर जाकर समय पर देना आज के दौर में बहुत मुश्किल है। फिर भी उन्होंने अपनी सेवा से सभी को प्रभावित किया है। इस मौके पर मांडलगढ़ पोस्ट मास्टर कैलाश चंद्र वैष्णव, भीलवाड़ा ईस्ट के मेल ओवरसीयर फूल सिंह, देवीलाल , राहुल , •क्क्रू जगदीश शर्मा, डालचंद धाकड़, चंद्रप्रकाश , नरेश रेगर, संतोष कुमार, नावेद, राजेश कुमार मीणा,लहर सिंह ,गोविंद सिंह, पुरुषोत्तम गुर्जर, इत्यादि स्टाफगण मौजूद थे। सभी स्टाफ गणों ने शक्तावत के सेवानिवृत्त के मौके पर माला और साफा पहनाकर उनका स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

'सेवा, समर्पण और निष्ठा के 47 वर्ष' भारतीय डाक को घर-घर तक पहुँचाया।

कार्य पर प्रकाशः 47 साल में भारतीय डाक की चिट्ठी से लेकर स्पीड पोस्ट, मनीऑर्डर से लेकर डिजिटल इंडिया तक का सफर, कितनी पीढ़ियों तक चिट्ठियाँ, पेंशन, मनीऑर्डर पहुँचाए। बरसात, धूप, सर्दी में भी ड्यूटी से समझौता नहीं।

जूनियर्स के लिए आदर्श और मार्गदर्शक

सम्मानः शॉल, साफा, माला, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और पुष्पगुच्छ भेंट यह प्रमाणित किया जाता है कि छीतर सिंह ने भारतीय डाक विभाग में 47 वर्षों तक पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी सेवाएं दीं।

बस ड्राइवरों का दर्द-टोल देते हैं, पेशाब करने की जगह नहीं

स्मार्ट हलचल| गुरला

राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रियों की सुविधा के लिए बने मुजरास टोल प्लाजा के शौचालय की हालत इतनी खराब है कि ड्राइवर और कंडक्टर मजबूरी में खुले में जाना पसंद करते हैं। टोल वसूली पूरी, लेकिन मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ लिपापोती जब शौचालय के अंदर का नजारा देखकर रूह कांप गई। फर्श पर गंदगी, बिना नल का वॉश वेसन कचरे से जाम सीट और फर्श पर लटका उखड़ा बिजली बोर्ड।

ड्राइवरों की जुबानी - 'ये शौचालय नहीं, सजा है '

दिनेश राव, बस ड्राइवर गंगापुर भीलवाडा ने बताया हम रोज 10-12 घंटे गाड़ी चलाते हैं। टोल कटता है। लेकिन टोयलेट के लिए इस गंदे टॉयलेट में नहीं जा सकते। बदबू इतनी है कि उल्टी आ जाती है। मजबूरी में झाड़ियों में जाना पड़ता है। सुरेश पारिक, बस ड्राइवर ने बताया की मेंटेनेंस के नाम पर लिपापोती होती है। बाहर से पेंट कर देते हैं, अंदर जाकर देखो तो नल टूटे हैं, सीट जाम है

सबसे खतरनाक। बिजली का बोर्ड दीवार से उखड़कर लटक रहा है। पीले-काले तार नंगे हैं। नीचे फर्श मानसून में करंट लगने से मौत तय है।

सतिश रेबारी, बस ड्राइवर ने बतायाः रात में महिला यात्री सबसे ज्यादा परेशान होती हैं। उनके लिए कोई सुरक्षित, साफ टॉयलेट नहीं। हमने कई बार टोल कर्मचारियों से कहा, लेकिन वो कहते हैं हमारा काम नहीं है। अगर सुविधा नहीं देनी तो टोल क्यों लेते हो?

रास्ते में गूंजी किलकारीः 108 एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव, बेटी ने लिया जन्म

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जीवन वाहिनी 108 एंबुलेंस की तत्परता और सूझबूझ से एक गर्भवती महिला व उसकी नवजात बेटी की सुरक्षित जान बच गई। अस्पताल ले जाते समय बीच रास्ते में प्रसव पीड़ा अचानक तेज होने पर एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया, जहां महिला ने एक स्वस्थ बेटी को जन्म दिया।

जानकारी के अनुसार 108 एंबुलेंस कुम्हारिया खेड़ा निवासी गर्भवती गोटिया देवी को महात्मा गांधी अस्पताल लेकर जा रही थी। रास्ते में प्रसव पीड़ा असहनीय होने पर ईएमटी मनोज जोशी ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एंबुलेंस को सुरक्षित स्थान पर रुकवाया और तत्काल आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया अपनाते हुए सफलतापूर्वक प्रसव कराया। इस दौरान एंबुलेंस पायलट समीर ने भी पूरी तत्परता से सहयोग किया।

सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा और नवजात दोनों स्वस्थ पाए गए। इसके बाद टीम ने दोनों को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मां और बेटी दोनों को पूरी तरह स्वस्थ बताया।

इस मानवीय सेवा से अभिभूत परिजनों ने 108 एंबुलेंस टीम के ईएमटी मनोज जोशी और पायलट समीर का आभार व्यक्त करते हुए उनकी त्वरित कार्रवाई और समर्पित सेवा की सराहना की।

सेन समाज भामाशाहो का किया सम्मान समारोह

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। अखिल भारतीय मारू जांगड़ा सेन समाज संस्थान की आम सभा भामाशाहो का किया सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।बैठक फूलचंद सैन की अध्यक्षता मे सेन सभागार मे आयोजित हुई ।जिसमे कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय प्रस्तुत किया गया ,गत बैठक की क्रियान्विती सचिव द्वारा प्रस्तुत की गई ।अध्यक्ष के आग्रह पर समाज मे दहेज प्रथा, मृत्यु भोज व पहरावणी व आटा साटा प्रथा पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया ।जिसका सभी समाज बधुओ ने ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित किया गया ।अपनी समस्त कार्यकर्ताओ के साथ पहुंचे समाज सेवी पूर्व सरपंच श्रवण सैन गोहाना मंगरा क्षेत्र से कहा कि सैन मन्दिर में विकास के लिए धन की कमी नही आने देने का भरोसा दिलाया वही अंराई क्षेत्र से अपनी टीम के साथ पहुचे अध्यक्ष अमर चंद सैन द्वारा भरपूर सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में कई क्षेत्र से समाज बंधु मोजूद रहे रामस्वरूप सैन ,प्रकाश सैन ,मनीष सैन ,आशिष सेन ,बालमूकद सेन ,हनुमान सेन ,नोरत मल सैन ,पन्नालाल सेन ,सूरजमल सेन ,रमेश सैन ,जीतमल सैन ,महावीर सेन ,ओम प्रकाश सैन आदि भारी संख्या मे समाज बंधुओ की उपस्थिति रही।

फूलियाकलां में पेयजल संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन; अवैध नल कनेक्शन हटाने की मांग

स्मार्ट हलचल

फूलिया कलां उपखंड क्षेत्र में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया। ग्राम पंचायत फूलियाकलां के ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी सुनील कुमार पिपलीवाल को ज्ञापन सौंपकर नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने तथा मुख्य पाइपलाइन पर किए गए कथित अवैध नल कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि इस संबंध में जन कल्याण शिविर के दौरान भी शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया। कस्बे में नियमित जलापूर्ति नहीं होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर नलों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है, वहीं हैंडपंप और ट्यूबवेल भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल संकट के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। कई बार संबंधित विभाग को अवगत कराने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में रोष व्याप्त है।

ज्ञापन में बताया गया कि चंबल परियोजना का फिल्टर प्लांट कनेछन कलां में स्थित है, जहां से फूलियाकलां कस्बे को पेयजल आपूर्ति की जाती है। आरोप है कि मुख्य पाइपलाइन से कनेछन कलां में कई लोगों ने अवैध रूप से नल कनेक्शन कर रखे हैं और पेयजल का उपयोग बाड़ों व कृषि भूमि की सिंचाई में किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इसकी जानकारी संबंधित विभागीय कार्मिकों को होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।ग्रामीणों ने मुख्य पाइपलाइन की जांच कर अवैध नल कनेक्शन तत्काल हटाने तथा कस्बे में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।ज्ञापन सौंपने के दौरान दिनेश कुमार, शंकर माली, रामरतन, द्वारका, शिवराज आचार्य, शंकर सिंह, नारायण, काना, अंशुल, सूरज, रतन, चेतन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नशीला पदार्थ पिला प्रोपर्टी व्यवसायी का बनाया अश्लील वीडियो, मांगे 25 लाख

चित्तौड़गढ़। सदर थाने में प्रोपर्टी व्यवसायी को धोखे से घर बुला नशीला पदार्थ पिला महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाकर 25 लाख रुपये मांगने की शिकायत दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार अंकुर अजमेरा निवासी पंहुना थाना राशमी हाल संगम रोड चित्तौड़गढ़ ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह प्रापर्टी व्यवसायी है एवं वर्तमान में कृष्णा विहार कॉलोनी में मकान बना रहा है। पिछले चार-पांच दिन से उसके नम्बर पर उसी कॉलोनी में किराये पर रहने वाली अनु सोलंकी नामक महिला का मकान खरीदने के लिए फोन आ रहा था। उक्त महिला वीडियो कॉल और वाट्सएप कॉल भी कर रही थी। महिला के संबंध में उसने पता लगया तो उसके मकान मालिक ने बताया कि वह एक साल से किराये रह रहे हैं और आदमी ठीक है। इसी बीच महिला ने सुबह वापिस कॉल कर कहा कि वह आज ही एक मकान खरीदने तथा अग्रिम भुगतान करने के लिए उसे अपने घर बुलाया। प्रार्थी महिला के घर पहुंचा तो उसे एक कोल्डड्रिंक पिलाई, जिसमें कोई नशीली दवा मिली थी, जिससे वह अर्द्धबेहोशी की हालत में हो गया।

इस दौरान महिला उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगी। इसी बीच दो आदमी कमरे के अन्दर घुसे और उसके साथ मारपीट करने लगे और उसका वीडियो बना लिया। उक्त व्यक्तियों ने उसे कहा कि उनके नाम पर एक मकान की रजिस्ट्री करा दो, जब उसने मना किया तो वह 25 लाख रूपये की मांग करने लगे। उन्होने उसका मोबाइल भी छीन लिया। जब हारकर उसने रुपये देने पर सहमति व्यक्त कर अपने मित्र राजेश डाड फोन कर रुपये मंगवाने की बात कही तो उन्होने स्पीकर पर राजेश से बात करवाई।

केडीए की दो आवासीय योजनाओं को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

राजनगर व प्रताप सिंह बारहट योजनाओं के भूखंडों के लिए उमड़े आवेदक, किफायती दरों और पारदर्शी लॉटरी प्रणाली से बढ़ा आकर्षण

KDA

Kota Development Authority

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

स्मार्ट हलचल | कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा हाल ही में शुरू की गई राजनगर आवासीय योजना एवं प्रताप सिंह बारहट आवासीय योजना को लेकर आमजन में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। किफायती दरों पर उपलब्ध भूखंडों और पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के चलते दोनों योजनाओं को रिकॉर्ड स्तर पर आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

प्राधिकरण आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि राजनगर आवासीय योजना में 1300 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से कुल 28 भूखंड लॉटरी के माध्यम से आवंटित किए जाएंगे। इस योजना के लिए अब तक 833 आवेदन पत्रों की बिक्री हो चुकी है।

वहीं प्रताप सिंह बारहट आवासीय योजना में 1010 रुपये प्रति वर्गफुट की दर पर 237 भूखंड उपलब्ध कराए गए हैं। इस योजना को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है और अब तक 2058 आवेदन पत्रों की बिक्री हो चुकी है। सोमवार तक राजनगर योजना के 126 तथा प्रताप सिंह बारहट योजना के 532 आवेदन पत्र जमा किए जा चुके हैं।

केडीए ने दोनों योजनाओं के स्थलों पर सूचना बोर्ड स्थापित कर दिए हैं तथा भूखंडों के सीमांकन (डिमार्केशन) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

प्राधिकरण सचिव मुकेश कुमार चौधरी ने बताया कि दोनों योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने इच्छुक आवेदकों से अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए समय रहते आवेदन जमा कराने की अपील की है।

योजनाओं में 15м30 फुट से लेकर 25м50 फुट तक विभिन्न आकार के भूखंड उपलब्ध हैं। भूखंड के आकार के अनुसार पंजीयन राशि 40 हजार रुपये से 1.22 लाख रुपये तक निर्धारित की गई है। सभी भूखंडों का आवंटन पूर्णतः पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि उत्कृष्ट लोकेशन, किफायती दरों और पारदर्शी आवंटन प्रक्रिया के कारण दोनों आवासीय योजनाओं के प्रति आमजन का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

19 जुलाई को प्रदेशभर में सेवा कार्यों के साथ मनाया जाएगा विप्र सेना का स्थापना दिवस

सेवा, संस्कार, सामाजिक समर्पण एवं संगठन विस्तार को समर्पित रहेगा स्थापना दिवस समारोह

स्मार्ट हलचल| जयपुर

देश भर में चर्चित ब्राह्मण महापंचायत कार्यक्रम का आयोजन करने वाले ब्राह्मण समाज की अग्रणी संस्था विप्र सेना 6 वर्ष पूर्ण कर नव स्थापना दिवस मनाने जा रहे हैं। विप्र सेना राजस्थान के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष दिनेश दादिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन का स्थापना दिवस 19 जुलाई 2026 को पूरे प्रदेश में 'प्रदेशव्यापी सेवा एवं संस्कार अभियान' के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान के सभी जिलों, विधानसभा, नगर एवं ग्राम इकाइयों द्वारा समाज सेवा, जनकल्याण एवं संस्कार संरक्षण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विप्र सेना ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक समाज सेवा, संगठन विस्तार, स्वाभिमान रक्षा एवं पीड़ित सहायता के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। संगठन का उद्देश्य केवल सामाजिक संगठन बनना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा एवं सहयोग पहुँचाना है।

विप्र सेना प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि संगठन द्वारा संचालित 'विप्र तत्काल राहत कोष योजना' के माध्यम से समाज के किसी भी व्यक्ति के आकस्मिक निधन, दुर्घटना अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में पीड़ित परिवार तक तत्काल आर्थिक सहायता पहुँचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से अनेक परिवारों को कठिन समय में त्वरित सहयोग प्रदान कर संगठन ने सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय दिया है।

इसी प्रकार विप्र हेल्थ केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में प्रदेशभर में समय-समय पर विशाल रक्तदान शिविर, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य परामर्श एवं जनस्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनसे हजारों लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के उद्देश्य से संगठन द्वारा संचालित 'ब्रह्म चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़' प्रकल्प के माध्यम से युवा उद्यमियों, व्यापारियों एवं उद्योग जगत से जुड़े समाजबंधुओं को एक मंच पर लाकर पारस्परिक सहयोग, व्यापारिक नेटवर्किंग एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए संगठन के धर्मनिष्ठ प्रकोष्ठ द्वारा मंदिरों एवं मठों से जुड़े संतों एवं पुजारियों की समस्याओं के समाधान हेतु नियमित संवाद स्थापित किया जाता है तथा 'सनातन धर्म परिषद' जैसे आयोजनों के माध्यम से धर्म, संस्कृति एवं समाजहित से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में मंदिरों एवं मठों में विशेष पूजा-अर्चना एवं राष्ट्र, समाज तथा संगठन की उन्नति के लिए सामूहिक प्रार्थना, गौशालाओं में गौ-सेवा एवं चारा वितरण, अस्पतालों में मरीजों को फल वितरण, वृद्धाश्रम एवं अनाथालयों में भोजन एवं आवश्यक सामग्री वितरण, पौधारोपण तथा संतों, पुजारियों, वरिष्ठजनों, सैनिक परिवारों एवं विशिष्ट समाजसेवियों का सम्मान जैसे सेवा कार्य आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश महामंत्री योगेश व्यास ने बताया कि सभी इकाई अध्यक्षों को निर्देश जारी किए गए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों में अधिकाधिक कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कम से कम एक प्रमुख सेवा कार्यक्रम अवश्य आयोजित करें तथा प्रत्येक कार्यक्रम की रिपोर्ट एवं छायाचित्र प्रदेश कार्यालय को भेजे जाएँ। उन्होंने प्रदेशभर के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाजबंधुओं से आह्वान किया कि वे स्थापना दिवस को 'सेवा, संस्कार और सामाजिक समर्पण का महापर्व' बनाते हुए समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 19 जुलाई का 'प्रदेशव्यापी सेवा एवं संस्कार अभियान' विप्र सेना की सेवा परंपरा को और अधिक सशक्त करेगा तथा संगठन की समाज के प्रति प्रतिबद्धता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य करेगा।

निजी स्कूलों के अव्यावहारिक नियमों के खिलाफ आज प्रदेशव्यापी बंद

ब्यावर में निकलेगी विशाल रैली, मांगें नहीं मानीं तो 11 दिन बाद जयपुर में मुख्यमंत्री कार्यालय का होगा घेराव

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शिक्षा विभाग और राज्य सरकार द्वारा निजी शिक्षण संस्थाओं पर थोपे जा रहे अव्यावहारिक व नियम-विरुद्ध आदेशों के विरोध में 15 जुलाई (बुधवार) को ब्यावर सहित प्रदेश के लगभग 20 जिलों में निजी विद्यालय पूर्णतः बंद रहेंगे। 'स्कूल बचाओ संघर्ष समिति, राजस्थान - ब्यावर' के तत्वावधान में मंगलवार को हुई एक आवश्यक बैठक में इस प्रदेशव्यापी बंद की तैयारियों की समीक्षा कर आंदोलन को अंतिम रूप दिया गया। निजी स्कूल संचालकों का कहना है कि सरकार के नए निर्देशों से स्कूलों के सामने व्यावहारिक कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं, जिसके विरोध में यह शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलन किया जा रहा है।

गाँधी सर्किल पर जुटेगा हुजूम, कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आंदोलन के तहत बुधवार प्रातः 9:00 बजे ब्यावर जिले के समस्त निजी स्कूल संचालक चांग गेट स्थित गाँधी सर्किल पर एकत्रित होंगे, जहाँ एक आमसभा का आयोजन किया जाएगा। सभा के बाद निजी स्कूल संचालक शांतिपूर्ण मार्च (रैली) निकालेंगे। यह रैली पाली बाजार, लोहारान चौपड़, पंचबत्ती, महादेवजी की छतरी और अजमेरी गेट होते हुए प्रातः 10:30 बजे

जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी। यहाँ जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की जाएगी।

इस आंदोलन को ब्यावर जिले के अधिकांश प्रतिष्ठित स्कूलों का व्यापक समर्थन मिला है, जिनमें जीडीए ग्रुप ऑफ स्कूल, केडी जैन ग्रुप, डीपीएस, मंगल न्यूटन, सेंट पॉल, इमानुएल स्कूल, सेंट्रल एकेडमी, बाल मंदिर, आदर्श विद्या मंदिर, मयूर दा कॉन्वेंट, वर्धमान ग्रुप, शिक्षा पब्लिक, प्रज्ञा इंटरनेशनल, क्रिएटिव एकेडमी, गैलेक्सी इंग्लिश स्कूल सहित दर्जनों विद्यालय शामिल हैं। इसके अलावा जवाजा क्षेत्र के करुणामयी विद्यालय सहित ग्रामीण अंचल के स्कूलों ने भी बंद का समर्थन किया है।

बैठक में ये रहे मौजूद

मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में संघर्ष समिति के संयोजक भरत भाटी, अध्यक्ष जितेंद्र अरोड़ा, प्रवक्ता कुलदीप सिंह राठौड़, सचिव ओमाराम राणवा, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अजमत काठात, दिलीप सिंह चौहान, मनीष सांखला, संजय गहलोत सहित कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने सभी शिक्षकों, संचालकों और अभिभावकों से इस शांतिपूर्ण आंदोलन में एकजुटता दिखाने की अपील की है।

11 दिन बाद जयपुर में महापड़ाव की चेतावनी

संघर्ष समिति ने राज्य सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निजी स्कूलों की जायज मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो ठीक 11 दिन बाद राजस्थान के समस्त स्कूल संचालक जयपुर कूच करेंगे और मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर आंदोलन के अगले चरण का शंखनाद करेंगे।

स्कूटी बाइक की आमने सामने की टक्कर से स्कूटी सवार छात्र की मौत

स्मार्ट हलचल| बूंदी

माटुंदा रोड पर आज दोपहर बाइक चालक ने सामने से आ रही स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कूटी सवार छात्र की मौत हो गई।

जबकि उसके साथी छात्र और बाइक चालक घायल हो गए। घायल काफी समय तक घटना स्थल पर ही मदद मांगते रहे पर किसी ने उनकी मदद नही की। वहा से गुजर रही स्कूल वैन द्वारा तीनो को जिला अस्पताल लाया गया। पुलिस ने बताया कि पंजाबी मोहल्ला निवासी 16 वर्षीय केशव पुत्र आलोक अपने दोस्त देवपुरा जैन मंदिर के पास निवासी रोहित पुत्र ओमप्रकाश के साथ स्कूटी से घर आ रहा था। तभी सामने से आ रही बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी जिसमें केशव की मौत हो गई। जबकि रोहित को हल्की चोटे आई है। बाइक चालक भी घटना में गंभीर घायल हो गया। जिसे प्रथमिक एपचार के बाद कोटा रेफर कर दिया गया। बाइक चालक की पहचान अभी नही हो पाई है। केशव के परिजनों को जैसे की एक्सीडेंट की खबर मिली तो वह जिला असपताल की और दौड़ पडे। शव को देखकर परिजन रोने लगे।

शराब दुकानों का समय रात 11 बजे तक करने की मांग तेज, ठेकेदारों ने 24 अगस्त को सीएम आवास घेराव का ऐलान

कोरोना काल का बकाया माफ करने और नीलामी रोकने को लेकर शराब ठेकेदार आंदोलन के मूड में

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान में शराब ठेकेदारों ने आबकारी नीति में बदलाव की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। शराब ठेकेदार यूनियन राजस्थान ने प्रदेश में शराब दुकानों का संचालन समय रात 8 बजे से बढ़ाकर रात 11 बजे तक करने, कोरोना काल के बकाया को समाप्त करने तथा बकाया वसूली के लिए चल रही कुर्की और नीलामी की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग उठाई है। मांगें पूरी नहीं होने पर 24 अगस्त को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की घोषणा की गई है।

मंगलवार को जयपुर स्थित पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित यूनियन की बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों ने आबकारी नीति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष पंकज धनखड़ ने कहा कि वर्तमान में शराब की दुकानें रात 8 बजे बंद

हो जाती हैं, जबकि होटल, बार और सामाजिक आयोजनों में देर रात तक गतिविधियां चलती रहती हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं की मांग और उपलब्धता के बीच अंतर पैदा होता है। उनका कहना है कि यदि दुकानों का संचालन समय रात 11 बजे तक किया जाता है तो वैध बिक्री बढ़ेगी, अवैध कारोबार पर अंकुश लगेगा और सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि शराब की खुदरा दुकानों से सीलबंद बोतलों की बिक्री होती है, जबकि होटल और बार में नियमों के तहत ऑन-प्रिमाइसेस (वहीं पर) शराब परोसी जाती है। दोनों व्यवस्थाओं के संचालन का स्वरूप अलग है। यूनियन का तर्क है कि खुदरा दुकानों का समय बढ़ाने का उद्देश्य केवल वैध बिक्री को बढ़ावा देना है, न कि नियमों में ढील देना। हालांकि कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक शांति और आबकारी नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी बनी रहेगी।

बैठक में कोरोना काल के बकाया की वसूली को लेकर भी नाराजगी जताई गई। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार बकाया वसूली के लिए ठेकेदारों की चल-अचल संपत्तियों की कुर्की और नीलामी की कार्रवाई कर रही है। यूनियन ने मांग की कि कोविड अवधि का शेष बकाया पूरी तरह समाप्त किया जाए तथा नीलामी की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए।

गारंटी उठाव व्यवस्था में बदलाव की मांग करते हुए यूनियन ने कहा कि धार्मिक आयोजनों, त्योहारों और अलग-अलग मौसम में बिक्री का स्तर समान नहीं रहता। ऐसे में मासिक गारंटी के बजाय त्रैमासिक गारंटी व्यवस्था लागू करना अधिक व्यावहारिक होगा।

यूनियन के संगठन मंत्री जयसिंह गुर्जर ने बताया कि 24 अगस्त को प्रस्तावित मुख्यमंत्री आवास घेराव में प्रदेशभर के शराब ठेकेदार भाग लेंगे। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह पंवार, महासचिव मनोहर सिंह भाटी सहित अनेक पदाधिकारियों ने आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

सड़क हादसों की रोकथाम के लिए प्रशासन और पुलिस के संयुक्त दल ने किया 'ब्लैक स्पॉट्स' का निरीक्षण

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों, जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव के निर्देशों तथा विभागीय ऐप से प्राप्त डेटा के आधार पर चिन्हित किए गए खतरनाक स्थानों पर सड़क हादसों को रोकना और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए मंगलवार को प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के संयुक्त दल ने बूंदी शहर के विभिन्न दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया।

निरीक्षण दल ने शहर के तीन प्रमुख स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां दुर्घटनाओं की आशंका सबसे अधिक रहती है। इनमें सिलोर रोड चौराहा, चित्तौड़ रोड चौराहा और लग्दरिया भैरूजी तिराहा शामिल है। संयुक्त दल ने इन ब्लैक स्पॉट्स पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए कई निर्णय लिए हैं। इसके तहत सड़कों के किनारे मौजूद अवैध अतिक्रमण को तुरंत हटाने और वाहन चालकों की दृश्यता को बाधित करने वाली झाड़ियों व जंगली घास की सफाई के निर्देश दिए गए। रास्तों में बने गड्ढों (पॉट होल्स) को जल्द से जल्द भरवाने और डिवाइडर को निर्धारित मापदंडों के अनुसार दुरुस्त व विकसित करने को कहा गया है।

इसके अलावा चौराहों पर रात के समय होने वाले हादसों को रोकने के लिए बंद

पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तुरंत चालू करने और आवश्यकतानुसार नई लाइटें लगाने का निर्णय लिया गया। वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए स्पीड ब्रेकर बनाने, उचित रोड मार्किंग करने और वाहन चालकों की सतर्कता के लिए जरूरी चेतावनी व सूचना बोर्ड लगाने के सुझाव दिए गए।

पुराना बाईपास से नवल सागर तक बनेगा 'नो-पार्किंग जोन

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए टीम ने पुराना बाईपास रोड़ से नवल सागर तक होने वाली अवैध पार्किंग पर गंभीर चिंता जताई। दल ने आम सहमति से इस पूरे मार्ग को 'नो-पार्किंग जोन' घोषित करने की अनुशंसा की है, ताकि यहां वाहनों का अवांछित जमावड़ा न लगे और यातायात निर्बाध रूप से चल सके।

संयुक्त निरीक्षण में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मुकेश कुमार गुप्ता, जिला परिवहन अधिकारी सौम्या शर्मा, बूंदी पुलिस वृत्ताधिकारी अनिल जोशी, अधिशाषी अभियंता राजाराम मीणा, सब-इंस्पेक्टर जितेन्द्र सिंह, नगर परिषद के सहायक अभियंता दिनेश कुमार मीणा और एनआईसी ऑफिस के कार्तिकेय शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल रहें।

युवा नेतृत्व को कमानः विष्णु मीणा बने कोटा देहात जिला सचिव

स्मार्ट हलचल

कोटा। कांग्रेस के द्वारा कोटा देहात में अपनी कार्यकारिणी घोषित

करी गयी! जिसमे कांग्रेस कार्यकर्ताओ को नई जिम्मेदारियां दी गई! जिसमे विष्णु मीणा को जिला सचिव बनाया गया! अपनी इस नियुक्ति पर मीणा ने देहात जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह व शीर्ष नेतृत्व, वरिष्ठ नेताओं और सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है। कांग्रेस पार्टी ने प्रति निष्ठा और जमीनी संघर्ष को प्राथमिकता देते हुए पार्टी के प्रति सक्रिय विष्णु मीणा फ़तेहपुर को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया है। इस फैसले से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं व फतेहपुर वासियो ने खुशी ज़ाहिर की जो लंबे समय से विष्णु मीणा के जमीनी संघर्ष को देख रहे हैं।स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विष्णु मीणा ने हमेशा विपरीत समय में भी पार्टी के हितों की रक्षा की और संगठन के हर छोटे-बड़े कार्यक्रम को सफल बनाने में रात-दिन एक किया। हर राजनीतिक संघर्ष को झेलते हुए उन्होंने कभी पार्टी का साथ नहीं छोड़ा। उनकी इसी वफादारी और कड़े संघर्ष का प्रतिफल है कि आज उन्हें जिला संगठन में इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस नियुक्ति से जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। नवनियुक्त जिला सचिव विष्णु मीणा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे पार्टी की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और आने वाले समय में कांग्रेस को इस क्षेत्र में सबसे मजबूत ताकत बनाकर उभारेंगे।

वीर नायब सूबेदार बनवारी लाल खोजा को राजकीय सम्मान के साथ दी विदाई

मेरठ कैंट में ड्यूटी के दौरान हृदयाघात से हुआ निधन, लाड़ाकाबास में हजारों लोगों की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

स्मार्ट हलचल|पावटा

ग्राम लाड़ाकाबास निवासी भारतीय सेना के नायब सूबेदार बनवारी लाल खोजा को मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मेरठ कैंट में ड्यूटी के दौरान हृदयाघात से उनका निधन होने के बाद मंगलवार सुबह उनका पार्थिव शरीर पावटा के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सुबह करीब 8 बजे तिरंगे में लिपटी पार्थिव देह को अंतिम यात्रा के रूप में पैतृक गांव लाड़ाकाबास के लिए रवाना किया गया। करीब पांच किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा में हजारों ग्रामीण, पूर्व सैनिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और आमजन शामिल हुए। पूरे मार्ग पर 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'शहीद

बनवारी लाल खोजा अमर रहें' के गगनभेदी नारों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर रहा। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर वीर सपूत को अंतिम नमन किया। गांव लाड़ाकाबास पहुंचने पर सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राजकीय सम्मान के बीच सैन्य परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। इस भावुक क्षण में हर आंख नम दिखाई दी। नायब सूबेदार बनवारी लाल खोजा अपने पीछे पत्नी संतरा देवी, एक पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी पुत्री दीपा का विवाह करीब दो माह पूर्व ही हुआ था। परिजनों ने बताया कि निधन से दो दिन पहले उन्होंने पत्नी से फोन पर बातचीत कर जल्द घर आने का भरोसा दिया था तथा परिवार की कुशलक्षेम, बाजरे की फसल और क्षेत्र में हुई बारिश की जानकारी ली थी। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह उनकी अंतिम बातचीत होगी। विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ भी लाड़ाकाबास पहुंचकर वीर जवान को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि नायब सूबेदार बनवारी लाल खोजा ने मातृभूमि की सेवा करते हुए अपने जीवन को राष्ट्र के नाम समर्पित किया। उनका त्याग और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। विधायक ने शोक संतप्त परिवार के और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर युवाओं में देशसेवा की भावना विकसित करनी चाहिए। लाड़ाकाबास के प्रशासक मदन यादव ने कहा कि गांव ने अपना एक वीर बेटा खो दिया है। उन्होंने कहा कि बनवारी लाल खोजा का नाम सदैव सम्मान और गर्व के साथ लिया जाएगा। गांववासियों को उनके शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम पर हमेशा गर्व रहेगा तथा उनकी स्मृतियां आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देती रहेंगी। अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए आसपास के अनेक गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल रहा और हर जुबान पर यही शब्द थे– 'वीर जवान अमर रहें, भारत माता की जय।'

2 किलो 134 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित दो आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। भवानी मंडी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 2 किलो 134 ग्राम अवैध गां जा सहित गिरफ्तार किया तस्करी में प्रयुक्त दो वाहनभी जप्त किए झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि दिनांक 13 जुलाई को प्रमोद कुमार पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में अवैध कार्यो की चैकिंग के दौरान श्मशान के पास पचपहाड़ तिराहा मगर रोड भवानी मंडी से मोहम्मद इमरान पुत्र श्री निजाम खां, उम्र 34 साल, निवासी जवाहर कॉलोनी, भवानी मंडी को डिटेन किया। तलाशी में उसके कब्जे से 01 किलो 74 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा व तस्करी में प्रयुक्त 1 इलेक्ट्रिक रिक्शा जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया।

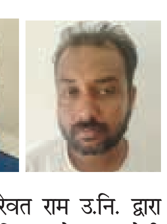

उसी दिन रेवत राम उ.नि. द्वारा नारायण खेड़ा तिराया से दूधा खेड़ी माता जी रोड पर अजद खां पुत्र कल्लू खां, उम्र 26 साल, निवासी टगर मोहल्ला, भवानी मंडी को मोटरसाइकिल सहित डिटेन किया। तलाशी में उसके कब्जे से 01 किलो 60 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा व तस्करी में प्रयुक्त 1 मोटरसाइकिल जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही के दौरान मोहम्मद इमरान पुत्र श्री निजाम खां, उम्र 34 साल, निवासी जवाहर कॉलोनी, भवानी मंडी, अजद खां पुत्र कल्लू खां, उम्र 26 साल, निवासी टगर मोहल्ला, भवानी मंडी के गिरफ्तार किया।

कोटा विश्वविद्यालय में पढ़ाई जाएगी विश्वविख्यात बूंदी चित्र शैली – कुलगुरू प्रो. बी.पी.सारस्वत

प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी, परंपरागत कला संरक्षण के साथ रोजगार सृजन पर जोर

स्मार्ट हलचल| कोटा

विश्व प्रसिद्ध बूंदी चित्र शैली को अब अकादमिक पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पारंपरिक कला के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने के उद्देश्य से कोटा विश्वविद्यालय में बूंदी एवं कोटा चित्र शैली पर आधारित प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय में कुलगुरु प्रो. बी.एल. सारस्वत की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें पाठ्यक्रम की रूपरेखा और उसके व्यावहारिक पक्षों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. बी.एल. सारस्वत ने

कहा कि भारतीय पारंपरिक कलाएं देश की सांस्कृतिक धरोहर हैं और विश्वविद्यालय का दायित्व है कि उन्हें केवल संग्रहालयों तक सीमित न रखकर शिक्षा और शोध का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बूंदी चित्र शैली को पाठ्यक्रम में शामिल करने से विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अध्ययन करने का अवसर मिलेगा, वहीं स्थानीय कलाकारों के अनुभव और कौशल को अकादमिक मंच भी प्राप्त होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल कला संरक्षण के साथ-साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

बैठक में बूंदी जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मुरलीधर प्रतिहार तथा चित्रकला विभाग की प्रोफेसर डॉ. शालिनी भारती ने बूंदी चित्र शैली से जुड़े स्थानीय कलाकारों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान बूंदी और कोटा चित्र शैली पर आधारित एक वर्षीय प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट) तथा डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के प्रस्ताव पर व्यापक मंथन किया गया। पाठ्यक्रम की संरचना, प्रशिक्षण पद्धति, व्यावहारिक शिक्षण और कलाकारों की सहभागिता जैसे विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने कहा कि प्रस्तावित पाठ्यक्रम को पूरी तरह व्यावसायिक दृष्टिकोण के साथ विकसित किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी इस पारंपरिक कला को सीखने के साथ इसे आजीविका का प्रभावी माध्यम भी बना सकें।

बैठक में इंटेक के संयोजक राजकुमार दाधीच, पर्यटन अधिकारी प्रेम शंकर सैनी, वरिष्ठ पुरातत्ववेत्ता ओम प्रकाश कुक्की तथा बूंदी चित्र शैली के प्रमुख कलाकार सुनील जांगिड़, पंकज सिसोदिया और विवेक उत्प्रेजा सहित अन्य विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

पीएम श्री विद्यालयों में कलक्टर का औचक निरीक्षण

बच्चों से सवाल-जवाब कर परखी शिक्षा की गुणवत्ता

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक सुविधाएं और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कलक्टर कमल राम मीना ने सोमवार को क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्यावर के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेदारिया और पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छावनी का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों व विद्यालय प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

क्लासरूम में पहुंचे कलक्टर, बच्चों से पूछे सवाल

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर कमल राम मीना सीधे क्लासरूम में पहुंचे और विद्यार्थियों से बेहद आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सवाल-जवाब कर

उनकी विषयों पर पकड़ और शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। कलक्टर ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और पूरी लगन के साथ आगे बढ़ें।कलक्टर ने विद्यालय परिसर में पेयजल व्यवस्था, क्लासरूम्स की स्थिति, भवनों के रखरखाव, शौचालय की स्वच्छता और कंप्यूटर लैब जैसी मूलभूत सुविधाओं को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय में उपलब्ध सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं और आपातकालीन मानकों की समीक्षा की और सुरक्षा प्रबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की हिदायत दी।

नवाचारों से सुधरेगा भविष्यः जिला कलक्टर

निरीक्षण के बाद जिला कलक्टर ने कहा, 'विद्यालय ही विद्यार्थियों के भविष्य की आधारशिला होते हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण दें।' उन्होंने विद्यालय प्रशासन को नए प्रयोगों (नवाचारों) के माध्यम से शिक्षा के स्तर को लगातार बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के संस्था प्रधान, शैक्षणिक स्टाफ और संबंधित विभागों के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

सावर के राजकीय चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं का आलम, एक्स-रे व सोनोग्राफी मशीनें महीनों से बंद

सरकारी सुविधाओं से वंचित मरीज, इलाज के लिए देवली व केकड़ी जाने को मजबूर

स्मार्ट हलचल|सावर(अजमेर)

जिले के सावर स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा विभाग की लापरवाही के चलते स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल होती नजर आ रही हैं। चिकित्सालय में एक्स-रे और सोनोग्राफी जैसी महत्वपूर्ण जांच सेवाएं कई महीनों से बंद पड़ी हैं, जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मंगलवार को मीडियाकर्मियों द्वारा चिकित्सालय का निरीक्षण किए जाने पर पाया गया कि एक्स-रे एवं सोनोग्राफी मशीनें लंबे समय से बंद होने के कारण धूल फांक रही हैं। जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को देवली और केकड़ी रेफर किया जा रहा है। इसका सबसे अधिक असर गरीब एवं ग्रामीण तबके के मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ और समय की परेशानी झेलनी पड़ रही है।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में केवल दो महिला चिकित्सक ही मौजूद मिलीं, जबकि अन्य चिकित्सकीय एवं स्टाफ कर्मी अनुपस्थित पाए गए। अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर गंदगी और अव्यवस्थाएं भी देखने को मिलीं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी है।

चिकित्सालय प्रभारी डॉ. राजेश गुप्ता से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन वे अवकाश पर बताए गए।

गौरतलब है कि सावर उपखंड मुख्यालय का यह राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र की नगरपालिका क्षेत्र सहित 20 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों के लिए प्रमुख सरकारी चिकित्सा केंद्र है। बावजूद इसके, आवश्यक जांच सेवाएं बंद होने से मरीजों को निजी जांच केंद्रों या अन्य शहरों का रुख करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने विधायक शत्रुघ्न गौतम तथा अजमेर जिला कलेक्टर से अस्पताल की व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार करने, बंद पड़ी एक्स-रे एवं सोनोग्राफी मशीनों को तत्काल चालू करवाने तथा पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

घाड़ में दो किसानों के कुओं से ट्रांसफार्मर, मोटर और केबल चोरी कर ले गए चोर

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। घाड़ कस्बे में सोमवार रात चोरों ने दो किसानों के कुओं को निशाना बनाया। चोरों ने कृषि कनेक्शन के ट्रांसफार्मर से कीमती सामान, पानी की मोटरें और केबल चुरा लीं। इस घटना से किसानों में नाराजगी है।

किसान राधेश्याम माली ने बताया कि मंगलवार सुबह जब वे अपने कुएं पर पहुँचे तो चोरी का पता चला। उन्होंने सोमवार रात आठ बजे के बाद घर जाने की बात कही। जांच में सामने आया कि चोरों ने खेतों की बाड़ काटकर रास्ता बनाया था।

चोरों ने ट्रांसफार्मरों को नीचे गिराकर उनमें से कॉपर, ऑयल और अन्य कीमती सामान निकाल लिया। इसके साथ ही कुओं के अंदर लगी पानी की मोटरें और केबल भी चुरा ले गए। वारदात के तरीके को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि चोरों की संख्या अधिक थी।

चोरी की इस घटना में किसान रामनिवास रैगर (के.न. 211333001993) और किसान कैलाश कल्याणमल खटीक (के.न. 211333002000) के कुओं को निशाना बनाया गया।

घटना की सूचना तुरंत विद्युत विभाग को दी गई। लाइनमैन लेखराज मीणा मौके पर पहुँचे और उच्च अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया। ग्रामीणों का आरोप है कि घाड़ पुलिस थाना पास होने के बावजूद, सूचना देने के दो घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुँची। हेड कांस्टेबल जितेंद्र यादव ने मौका मुआयना किया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे में थाना होने के बावजूद न तो चोरियां रुक रही हैं और न ही अवैध खनन व परिवहन पर कोई अंकुश लग पा रहा है। आए दिन हो रही इन वारदातों से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

जातिगत जनगणना ऐप में 'लोधा' जाति का विकल्प जोड़ने की मांग

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। लोधा समाज विकास समिति सावर ने मंगलवार को राज्य निर्वाचन आयोग के नाम कार्यवाहक सावर उपखंड अधिकारी भगवती प्रसाद वैष्णव को ज्ञापन सौंपकर जातिगत जनगणना सर्वे के लिए उपयोग किए जा रहे डिजिटल ऐप में 'लोधा' जाति का अलग से उल्लेख करने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि राज-स्थान में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा डिजिटल ऐप के माध्यम से जातिगत जनगणना का सर्वे किया जा रहा है। वर्तमान में ऐप में 91 जातियों का विवरण उपलब्ध है, लेकिन 'लोधा' जाति का कहीं भी उल्लेख नहीं है। ऐप में केवल 'लोधी' का विकल्प दिया गया है।

समिति का कहना है कि 'लोधा' जाति राजस्थान सरकार की अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल है और इसी आधार पर समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। ऐसे में ऐप में 'लोधा' का विकल्प नहीं होने से भविष्य में समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र, आरक्षण तथा अन्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि डिजिटल ऐप में शीघ्र संशोधन कर 'लोधा' जाति का अलग से उल्लेख किया जाए। समाज ने चेतावनी दी कि जब तक ऐप में 'लोधा' नाम नहीं जोड़ा जाता, तब तक समाज के लोग इस सर्वे का विरोध करेंगे। साथ ही कहा कि इससे ओबीसी आयोग के कार्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस अवसर पर मेवालाल लोधा, रामधन, रामस्वरूप, वार्ड पंच कैलाश लोधा, मदन लोधा, धर्मराज लोधा, ओमप्रकाश, रामकिशन लोधा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान वार्डवासियों ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

मंडावर (दौसा)। नगरपालिका मंडावर क्षेत्र में दिनोंदिन बढ़ रहे बंदरों के आतंक से आमजन का जीवन प्रभावित हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोग अपने घरों की छतों पर जाने, बच्चों को बाहर खेलने भेजने और महिलाओं का अकेले घर से निकलना भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। समस्या से परेशान वार्डवासियों ने मंगलवार को नगरपालिका अधिशासी अधिकारी एवं तहसीलदार मंडावर को संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपकर बंदरों को तत्काल पकड़वाने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 1, 2, 3, 4, 5 एवं 6 में बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बंदरों के झुंड सुबह से लेकर शाम तक गलियों, मकानों की छतों और सार्वजनिक स्थानों पर उत्पात मचाते रहते हैं। कई बार बंदर राह चलते लोगों पर हमला कर देते हैं, जिससे नागरिकों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान, अनाज, फल, सब्जियां और अन्य घरेलू वस्तुओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। महिलाएं कपड़े सुखाने के लिए छत पर जाने से डर रही हैं, जबकि छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह समस्या और भी गंभीर बन गई है। बंदरों के डर से कई परिवारों का सामान्य जीवन प्रभावित हो गया है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि बंदरों के हमलों में कई लोग घायल हो चुके हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे हर समय किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन को चेताया कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों और वार्डवासियों ने मांग की कि नगरपालिका प्रशासन, वन विभाग और संबंधित विभागों के समन्वय से विशेष अभियान चलाकर बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर आबादी क्षेत्र से बाहर छोड़ा जाए। साथ ही भविष्य में इस समस्या की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान भी किया जाए।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यदि प्रशासन शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं करता है तो क्षेत्र के नागरिकों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में वार्डवासियों एवं स्थानीय नागरिकों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाएगा, ताकि मंडावर शहर के लोगों को बंदरों के आतंक से राहत मिल सके।

भीमराव अंबेडकर संघर्ष समिति के सानिध्य में मनाया भीम क्रांति दिवस

साफ-सफाई के साथ किया पौधरोपण

स्मार्ट हलचल|सावर (अजमेर)

उपखंड मुख्यालय सावर स्थित अजमेर-कोटा चौराहे पर बने डॉ. भीमराव अंबेडकर गार्डन में मंगलवार को भीमराव अंबेडकर संघर्ष समिति के सानिध्य में भीम क्रांति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों ने बाबा साहब की प्रतिमा एवं परिसर की साफ-सफाई की, माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर समिति की मासिक बैठक का भी आयोजन किया गया, जिसमें संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सामाजिक गतिविधियों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लेते हुए उनके जयघोष लगाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त एएसआई दुर्गालाल सामरिया ने की। इस अवसर पर संरक्षक सूरजकरण मालावत, अध्यक्ष घनश्याम पंवार, कोषाध्यक्ष कालूराम रेगर, सह-कोषाध्यक्ष मथुरा प्रसाद चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मदनलाल रेडिया, चाँदमल सामरिया, मार्गदर्शक ओमप्रकाश कांसोटिया, सत्यनारायण कोली, उम्मेद सिंह दीदावत, महिला प्रकोष्ठ से नेहा महावर तथा अशोक कुमार मीणा, छोटूलाल पंवार, रामदेव फौजी सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

खेल मनोविज्ञान, योग व मुक्केबाजी में उत्कृष्ट योगदान पर डॉ. दीपेंद्र जसकरण सिंह चौहान सम्मानित

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. दीपेंद्र जसकरण सिंह चौहान को एकेडमी ऑफ़ वेल बीइंग द्वारा विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. बी. एल. चौधरी ने प्रदान किया।

यह सम्मान समारोह एकेडमी ऑफ़ वेल बीइंग सोसायटी, उदयपुर की 20वीं वार्षिक आम सभा के अवसर पर सहेलियों की बाड़ी क्षेत्र स्थित आमंत्रा होटल बैंक्विट हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।समारोह में राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. एस. सिंह सारंगदेवोत, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा के सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. पायल शेखावत तथा एकेडमी ऑफ़ वेल बीइंग की अध्यक्ष प्रो. विजयालक्ष्मी चौहान की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर डॉ. दीपेंद्र जसकरण सिंह चौहान को खेलों के विकास, खेल मनोविज्ञान, योग एवं मुक्केबाजी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. चौहान ने इसे अपने कार्यों के प्रति मिली प्रेरणा बताते हुए खेल, स्वास्थ्य और युवा विकास के क्षेत्र में आगे भी समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

20 जरूरतमंद विद्यार्थियों को निशुल्क यूनिफॉर्म व अध्ययन सामग्री वितरित

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। महात्मा गांधी स्कूल घटियाली में मंगलवार को श्री सांवरिया दरबार सेवा भक्त मंडल, देवली के तत्वावधान में सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के 20 गरीब एवं असहाय विद्यार्थियों को निशुल्क यूनिफॉर्म, नोटबुक, पेन एवं पेंसिल सेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय सिंह मीणा ने श्री सांवरिया दरबार सेवा भक्त मंडल के सदस्यों का विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के गणेश शर्मा, मुकेश कुमार लक्षकार, हबीबुर रहमान देशवाली एवं भोजराज मीणा सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से श्री सांवरिया दरबार सेवा भक्त मंडल, देवली का आभार व्यक्त किया गया।

अजमेर ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव बनने पर स्वागत

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। अजमेर ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी में महासचिव पद पर वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष सावर विश्वजीत सिंह शक्तावत के मनोनयन पर सावर नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेंद्र राव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विश्वजीत सिंह शक्तावत उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश कासोटिया एवं श्रीनिवास माली मंचासीन रहे।

इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने शक्तावत का माला एवं साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। समारोह में वरिष्ठ कांग्रेस नेता चांदमल खटीक, सूरज करण मालावत, उम्मेद सिंह दीदावत, कालूराम रेगर, मनजीत कुमार सेन, शंकरलाल सेन, विनोद पवार, जयपाल सिंह गुर्जर, महेश कुमार शर्मा, महेश कुमार प्रजापत, महेश कुमार जैन, प्रधान योगी, इकबाल मोहम्मद, रतन काका माली, भरत धोबी, गोपाल तेली, सत्यनारायण कोली, सुरेश जांगिड़, पाचूलाल प्रजापत, युवा नेता लड्डूराम कहार, रणजीत कहार, मथुरा प्रसाद चौहान, पप्पू भगत, मुकेश कुमार वर्मा (घटियाली), कन्हैयालाल कहार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने विश्वजीत सिंह शक्तावत के संगठनात्मक योगदान की सराहना की और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा। अंत में सभी ने उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

पुष्कर नगर में अंधेरे को लेकर उपखंड अधिकारी को एनएसयूआई ने दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। धार्मिक नगरी पुष्कर मे व्याप्त अंधेरे को लेकर युवा छात्र नेता एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर ने पुष्कर उपखंड अधिकारी व प्रशासक नगर परिषद को ज्ञापन सौप कर अविलंब स्ट्रीट लाइटे चालू करवाने की मांग की।पाराशर ने लिखा कि पुष्कर नगर की लगभग स्ट्रीट लाइटे बंद होने के कारण स्थानीय नागरिकों व यात्रियों को रात्रि मे अंधेरे के कारण अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नगर के प्रमुख मार्ग से लेकर,गलियों मोहल्लों की लाइटे बंद होने से नगर मे आगंतुक यात्रियों से लेकर, स्थानीय वृद्ध,महिलाएं व बच्चो को मानसून के कारण भारी कठनाइयों का सामना करना पड़ता है व अनेक प्रकार से भय का माहौल भी बना रहता है,डर रहता है कि कोई अप्रिय घटना ना हो जाये, कही गड्ढे मे ना गिर जाये,कही कोई जानवर न काट ले,कहीं कोई पशु चोट ना पहुँचा दे सहित कई प्रकार का भय बना रहता है,,व साथ ही विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी मे अंधेरे को लेकर देश दुनिया में भी अलग प्रकार का संदेश जाता है।ः उपखंड अधिकारी से माँग की है कि परिस्थितियों को ध्यान मे रखते अविलंब रूप से त्वरित कार्यवाही कर नगर के आमजन व यात्रियों को अंधेरे व आशंकित भय से राहत प्रदान कराने की पुरजोर माँग की।

ज्ञापन देने वाले मे विलायत अली, प्रकाश योगी,योगेश,शुभम, लाल, शिवजी, लक्की, सागर, नितेश, अमन, बिट्टू लखन, उज्ज्वल, विक्रम, राज सहित कई युवा शामिल थे।

सहादत नगर स्कूल की दरारों में दफन बचपन, कब जागेगा प्रशासन

घटिया निर्माण, राजनीतिक दबाव, बच्चों की मौत का फॉर्मूला: सहादत नगर स्कूल का सच

स्मार्ट हलचल

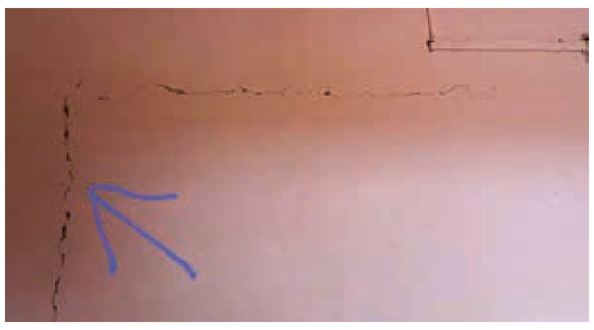

नगर फोर्ट। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र के पिपलोद गांव में स्कूल की छत ढहने से 7-10 मासूम बच्चों की मौत का दर्द अभी ताजा है, लेकिन टोंक जिले के उनियारा उपखंड क्षेत्र का सहादत नगर स्कूल भी उसी हादसे की दहलीज पर खड़ा है।

3 साल से घटिया निर्माण, फिर भी प्रशासन मौन साल 2022 से स्कूल भवन का घटिया निर्माण हो रहा है। 3 साल बीत जाने के बाद भी शाला प्रबंधन समिति स्कूल मैनेजमेंट कमिटी की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई। तत्कालीन प्रधानाध्यापक महावीर मीणा से लेकर वर्तमान प्रधानाध्यापक युवराज चंदेल तक की हठधर्मिता सामने आई है। आरोप है कि दोनों प्रधानाध्यापक प्रशासनिक व राजनीतिक दबाव में काम कर रहे हैं।ज्वलंत समस्या पर मनमर्जी के प्रस्ताव, कार्यवाही शून्य स्कूल मैनेजमेंट कमिटी की बैठकों में मनमर्जी के प्रस्ताव तो लिए गए, लेकिन जर्जर स्कूल भवन की घटिया निर्माण समस्या पर आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नतीजा, पहले भी घटिया निर्माण हुआ और अब हालात और बिगड़ गए हैं।कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा एक-दो दिन पहले ही स्कूल के एक कमरे में फिर से हल्का झुकाव आ गया है।आधे से ज्यादा कमरों में जगह-जगह गहरी दरारें पड़ चुकी हैं।बरसात का मौसम सिर पर है। बारिश होते ही छत या दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है।

प्रधानाध्यापक जानकारी देने से कर रहे इनकार

मामले की गंभीरता को देखते हुए जब वर्तमान प्रधानाध्यापक युवराज चंदेल से पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने कैमरे पर बाइट देने से साफ इनकार कर दिया।

पिपलोद जैसे हादसे का डर

2025 में झालावाड़ के पिपलोद गांव में सरकारी स्कूल की छत ढहने से 7 से 10 बच्चों की मौत हो गई थी। सहादत नगर स्कूल की हालत देखकर अभिभावकों में दहशत है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात आने वाली है, बच्चों के साथ खिलवाड़ बंद हो। प्रशासन तुरंत संज्ञान लेकर भवन को असुरक्षित घोषित करे और बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट करे, वरना पिपलोद जैसा दर्दनाक हादसा फिर दोहराया जा सकता है।जिला था प्रशासन व शिक्षा विभाग तुरंत जांच करवाकर दोषियों पर कार्यवाही करे और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

विशेष शिक्षकों की समावेशी शिक्षा अन्तर्गत ब्लॉक स्तरीय बैठक सम्पन्न

चित्तौड़गढ़। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर व जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा के निर्देशानुसार समावेशी शिक्षा अन्तर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों को लेकर चित्तौड़गढ़ ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में सेवारत विशेष शिक्षकों की बैठक का आयोजन मॉडल संदर्भ कक्ष शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत राउमावि में किया गया।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा शम्भु लाल सोमानी ने बताया कि बैठक में संदर्भ व्यक्ति हेमेंद्र कुमार सोनी द्वारा आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 में वर्णित 21 प्रकार के विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की श्रेणियों पर चर्चा करते हुए उन्हें चिन्हित करनें, इनके प्रपत्र अ, ब, स, द तथा इनका डाइस, शाला दर्पण पोर्टल पर इन्द्राज की अनिवार्यता पर बल दिया गया। इसी के साथ प्रस्तावित वार्षिक गतिविधियां यथा मेडिकल कम फंक्शनल असेसमेन्ट कैम्प, विद्यालय तक पहुंच एवं ठहराव हेतु परिवहन, एस्कोर्ट, स्टाईपेन्ड फॉर गर्ल्स, रीडर भत्तों की जानकारी साझा की। पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनत इन बच्चों के आवेदन आमंत्रित कर लिए गये हैं, साथ ही फिजियो थैरपी, ब्रेल एवं लार्ज प्रिन्ट बुक्स, यूडीआईडी कार्ड से वंचित बच्चों को लेकर विस्तार में चर्चा एवं सूचनाओं का संग्रहण किया गया। चिन्हीकरण में प्रशस्त एप एवं व्यक्तिगत शिक्षण योजना बनाने हेतु प्रशिक्षण, विद्यालय को उपलब्ध कराई गई व्हीलचेयर आदि पर चर्चा की गई।

क्या प्याज बालों का झड़ना रोक सकता है? जानिए इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका

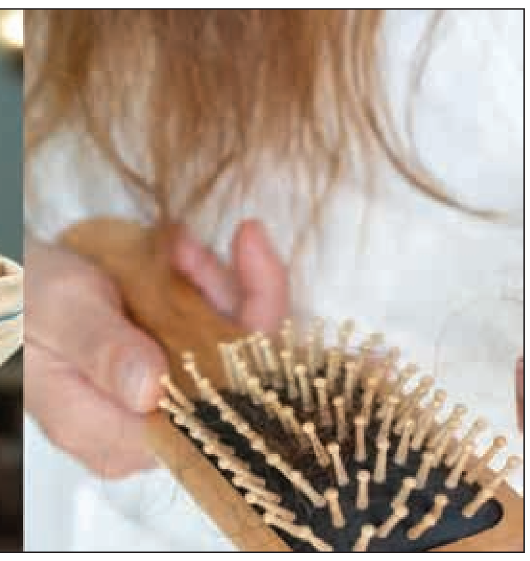

बाल झड़ने की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है. आपको बता दें कि बाल झड़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. इन कारणों में हार्मोनल असंतुलन, तनाव, प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट और बालों पर केमिकल वाले उत्पादों का इस्तेमाल शामिल हैं. बालों को झड़ने से रोकने के लिए लोग कई तरह के उपचार करवाते हैं, जिनके विपरीत प्रभाव भी हो सकते हैं. इसलिए बालों को झड़ने से रोकने के लिए घरेलू उपाय ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं. इन घरेलू उपायों में प्याज का तेल भी शामिल है. इसे घर पर बनाना भी आसान है...

प्याज का तेल बालों के लिए फायदेमंद है।

प्याज का तेल एक ऐसा तेल है जो बालों को झड़ने से रोकता है. प्याज से बना तेल बालों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है और बालों को झड़ने से रोकता है.

प्याज का तेल बनाने के लिए सामग्री

3 प्याज

1/2 कप नारियल तेल

प्याज का तेल कैसे तैयार करें?

एक बर्तन में नारियल का तेल डालकर गैस पर रखें, फिर इसमें कटे हुए प्याज के टुकड़े डालकर तेल को 20 मिनट तक उबालें. इसके बाद गैस बंद कर दें. जब तेल अच्छे से ठंडा हो जाए तो इसे कांच के जार में डालकर इस्तेमाल करें.

का उपयोग कैसे करें?

तैयार तेल को स्कैल्प से लेकर बालों के सिरे तक अच्छी तरह से लगाएं. इसे अपने सिर पर 1 घंटे या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर नहा लें. हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होगा और रूसी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा.

प्याज के तेल के उपयोग के लाभ

प्याज सल्फर का एक अच्छा स्रोत है. यह केराटिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो बालों के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन है.

प्याज में एंटीबैक्टीरियल गुण भरपूर मात्रा में होते हैं. यह स्कैल्प पर होने वाले हर तरह के संक्रमण को रोकता है.

प्याज का तेल रूसी को रोकने और रूसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है.

प्याज का तेल रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है.

प्याज के तेल का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों का झड़ना रोकता है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पर प्रकाशित परिणाम क्या कहते हैं कि एलियम सेपा, जिसे आम तौर पर प्याज के रूप में जाना जाता है, लिलियासी परिवार से संबंधित है. प्राचीन काल से, इसका उपयोग पारंपरिक रूप से विभिन्न रोगों के उपचार के लिए किया जाता रहा है. प्याज के अर्क में लिवर हेक्सोकाइनेज, ग्लूकोज 6-फॉस्फेट और एचएमजी कोएंजाइम-ए रिडक्टेस की गतिविधियों को सामान्य करके हाइपोग्लाइसेमिक और हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव भी पाए गए हैं. शोध के अनुसार, प्याज का अर्क पीने से ब्लड शुगर को तेजी से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके साथ ही प्याज में सल्फर भरपूर मात्रा में होता है, जो एक महत्वपूर्ण खनिज है जो बालों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. सल्फर अमीनो एसिड में पाया जाता है, जो केराटिन सहित प्रोटीन के निर्माण खंड हैं. केराटिन बालों का एक प्रमुख घटक है, और हाई सल्फर सामग्री बालों की मजबूती और लोच को बढ़ाती है.

किचन में भूलकर भी न रखें ये 2 बर्तन उल्टे, घर से भाग जाएगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में वास्तु का विशेष महत्व है. घर के किचन के लिए भी वास्तु अनिवार्य है. किचन सिर्फ खाना बनाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि इसमें अन्नपूर्णा का वास भी होता है. इसमें लक्ष्मी का भी वास होता है. इसलिए अगर आप घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहते हैं तो किचन से जुड़े वास्तु नियमों का पालन जरूर करें. इनकी अनदेखी करने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. नतीजतन घर को नकारात्मक प्रभावों का भी सामना करना पड़ सकता है, ऐसा वास्तु ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है.

आमतौर पर लोग किचन में बर्तन धोने के बाद उन्हें उल्टा करके रख देते हैं. लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में कभी भी दो बर्तन को उल्टे नहीं रखने चाहिए, इसमें कड़ाही और तवा शामिल है. जी हां! वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में कभी भी कड़ाही और तवे को उल्टा नहीं रखना चाहिए. ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है.

जानकारों का कहना है कि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिसका स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना बनाने के बाद किचन में बर्तनों को धोना और उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है. नियमों का पालन करने से परिवार के सदस्यों के घर में समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि तवा उल्टा रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और अक्सर घर में झगड़े होते रहते हैं. इसके साथ ही कहा जाता है कि घर में दरिद्रता बढ़ती है. इससे आर्थिक स्थिति भी खराब होने लगती है. कहा जाता है कि तवा उल्टा रखने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. इससे घर की खुशियां खत्म हो जाती हैं. पैसों की कमी का सामना करना पड़ता है. इसलिए सलाह दी जाती है कि किसी भी हालत में तवा उल्टा नहीं रखना चाहिए. जब ??भी तवा धोएं तो उसे सीधा ही रखें. इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि गंदे बर्तन रातभर किचन में नहीं रखने चाहिए.

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में सदैव खुशियां, सेहत और पैसे की कमी ना रहे. लेकिन कई बार हम भूल से कई छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से घर में खुशियां और धन-दौलत लंबे वक्त तक नहीं टिक पाती. वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूरे घर में शांति और जीवंतता बनाए रखने के लिए किचन में साफ-सफाई बेहद जरूरी है. यह सिर्फ खाने की जगह नहीं है. यह वह स्थान है जहां मां गृहलक्ष्मी का वास होता है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि हल्दी, नमक, पानी का बर्तन, चावल, चीनी और घी ऐसी चीजें हैं जो हमेशा किचन में मौजूद होनी चाहिए. अगर ये पूरी तरह खत्म हो जाएं तो उस घर में आर्थिक तंगी, हेल्थ रिलेटेड परेशानियां और पारिवारिक कलह की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए किचन में कुछ चीजों को संभालकर रखना चाहिए ताकि ये कभी पूरी तरह खत्म न हों.

बरसात के मौसम में इन फलों का जरूर करें सेवन, बीमारियों से रहेंगे दूर और बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

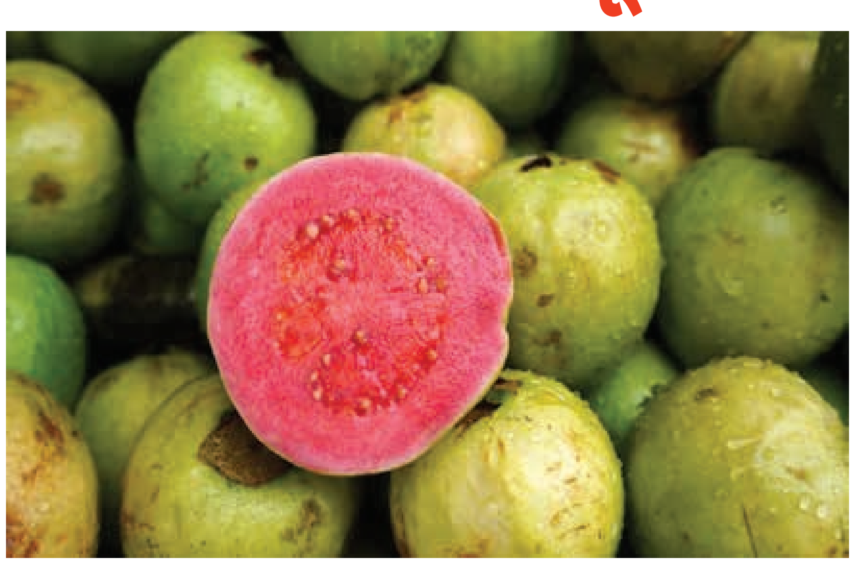

बारिश का मौसम शुरू हो गया है. हालांकि इस दौरान मौसम सुहावना होता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है. मानसून के दौरान वायरल इंफेक्शन, एलर्जी, डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी कई मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. हवा में नमी भी काफी होती है, जिसका असर पाचन क्रिया पर पड़ता है.

मानसून के दौरान इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है. चाहे कितनी भी सावधानी बरती जाए, संक्रामक रोग फिर भी हो ही जाते हैं. सर्दी-खांसी से लेकर डेंगू बुखार, मलेरिया, टाइफाइड और मच्छरों से होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याएं मानसून के दौरान बढ़ जाती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ फल खाने से मानसून के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके अलावा, कुछ फल संक्रमण से लड़ने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

मानसून के मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना सबसे जरूरी है. ऐसे में पाचन और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कहा जाता है कि मानसून के दौरान इम्यून सिस्टम का मजबूत होना सबसे जरूरी है. शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए कुछ फलों का सेवन जरूरी है. इन फलों को खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है. साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनता है.

इन फलों का जरूर करें सेवन

अमरूद : बरसात के दिनों में अमरूद खाना अच्छा होता है. अमरूद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है अमरूद में विटामिन सी, आयरन और एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जो पाचन के लिए अच्छा होता है यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है.

अनार : अनार सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. इसे खाने से शरीर में खून की कमी दूर होती है. इसमें विटामिन बी और फोलेट भी भरपूर मात्रा में होता है. अगर आप मानसून में इस फल को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो यह रेड ब्लड सेल्स की संख्या बढ़ाने में फायदेमंद होता है. लेकिन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को अनार खाने से बचना चाहिए.

सेब : सेब विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. सेब के नियमित सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और एनर्जी भी मिलती है. मानसून में सेब खाने से वायरल इन्फेक्शन का खतरा कम होता है. सेब में फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए फायदेमंद होते हैं. इनमें पाया जाने वाला फाइबर कब्ज और वजन घटाने के लिए अच्छा माना जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि सेब के नियमित सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है.

पपीता : पपीता भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. मानसून में पपीता जरूर खाना चाहिए. पपीते में पपेन एंजाइम होता है. जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है. साथ ही इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. साथ ही इसमें विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होता है. साथ ही पपीते के पत्तों का जूस डेंगू बुखार में उपयोगी होता है. पपीते के पत्तों का जूस पीने से प्लेटलेट्स बढ़ती हैं. साथ ही यह सिरदर्द, थकान जैसी समस्याओं को भी दूर करता है.

नाशपाती : नाशपाती विटामिन सी से भरपूर होती है. यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. मानसून में इसे खाना जरूरी है. यह पाचन के लिए भी जरूरी है. यह एक सुपरफूड है. कब्ज से परेशान लोग अगर नाशपाती खाएं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है. जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए बहुत अच्छा होता है. इसके नियमित सेवन से मल को नरम करने में मदद मिलती है. नाशपाती कॉपर और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है. जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. जर्नल मॉलिक्यूल्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड सूजन को कम करने और टाइप 2 और स्ट्रोक के रिस्क को कम करने में मदद कर सकते हैं.

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com